दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 03
अंकः-297
मुरादाबाद
18 February 2024
(Sunday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

घर के दरवाजे पर युवक को गोलियों से भूना, हत्या की वारदात से गांव में सनसनी

शाहजहांपुर के गांव तलिकापुर में शुक्रवार रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने ताबड़तोड़ उस पर गोलियां बरसाईं। उसके सिर और पेट में गोलियां लगी हैं। हमलावरों का पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच कर रही है। शाहजहांपुर के परौर थाना क्षेत्र के गांव तलिकापुर में शुक्रवार रात करीब 11 बजे युवक राजवीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने युवक के घर के दरवाजे पर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। हमलावरों का पता नहीं चल सका है। एसपी ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। हमलावरों की तलाश में चार पुलिस टीम लगाई गईं हैं।राजवीर (38) मूलरूप से बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के शिव कॉलोनी का रहने वाला था। पिछले पांच साल से वह अपनी पत्नी सोनी के मामा वीरपाल के परौर थाना क्षेत्र के गांव तलिकापुर में रह रहा था। उसने अपना अलग मकान भी बनवा लिया था। वह पटके पर खेत लेकर खेती किसानी करता था। 16 फरवरी को वह बदायूं गया था। रात करीब 11 बजे राजवीर वापस आया और दरवाजे पर पत्नी को आवाज दी। पत्नी अंदर से निकलकर बाहर आ रही थी, तभी गोली चलने की आवाज आई।

फल, सब्जी व पुष्प प्रदर्शनी का आयोजनः सीएम बोले- किसानों को हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का अवसर दे रही सरकार

लखनऊ के राजभवन में तीन दिवसीय क्षेत्रीय फल, सब्जी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2024 का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं।यूपी संभावनाओं वाला प्रदेश है। भारत की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा अकेले यूपी में निवास करता है। उत्तर प्रदेश के पास भारत की कुल कृषि योग्य भूमि का मात्र 11 फीसदी है, लेकिन देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन का 20 फीसदी से अधिक शेयर उत्तर प्रदेश का है। उत्तर प्रदेश के अंदर किसान औद्यानिक फसलों के लिए मात्र 10 फीसदी कृषि योग्य भूमि का ही उपयोग करते हैं, जबकि 10 फीसदी भूमि में कृषि की कुल जीडीपी में 24 फीसदी शेयर औद्यानिक फसलों के माध्यम से किसानों व प्रदेश को प्राप्त होता है।

यह दिखाता है कि अन्नदाता किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाना है तो परंपरागत खेती के साथ ही औद्यानिक फसलों को बढ़ाना होगा। इसी प्रोत्साहन के लिए प्रगतिशील किसानों को आज सम्मानित किया गया। इन किसानों ने ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी, पुष्पों की खेती, पॉलीहाउस के माध्यम से नया करने का प्रयास किया है। डबल इंजन की सरकार किसानों को हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। शनिवार

को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ उन्होंने राजभवन में 55वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2024 का शुभारंभ किया। इसके बाद राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यह प्रदर्शनी तीन दिनों (17 से 19 फरवरी) तक चलेगी। सीएम ने यहां विभागीय अधिकारियों व किसानों से फलों-सब्जियों के बारे में जानकारी ली और इसके आयात-निर्यात के बारे में भी पूछा। राज्यपाल व सीएम ने स्मारिका का विमोचन भी किया।

सीएम ने राज्यपाल के प्रति जताया आभार

सीएम ने राज्यपाल के प्रति आभार जताया। बोले कि औद्यानिक फसलों में रुचि रखने वाले प्रगतिशील किसानों के लिए प्रतिवर्ष प्रदर्शनी के लिए राज्यपाल यह प्रांगण उपलब्ध कराती हैं। न केवल किसान, बल्कि लखनऊ समेत प्रदेश भर से आने वाले लोग भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप किसान की आमदनी को कई गुना बढ़ाना है और प्रदेश की जीडीपी में गांव, जनपद और प्रदेश का योगदान हो सके तो हमें इस क्षेत्र में और भी रूचि लेकर बढ़ना होगा। इससे न केवल आमदनी बढ़ाने, बल्कि विटामिन व पोषक तत्वों की दृष्टि से इन औद्यानिक फसलों के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाकर कुपोषण जैसी बीमारियों से लड़ने के लिए भी लोगों को तैयार कर पाएंगे। इस अवसर पर उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद आदि मौजूद रहे।

किसानों का किया गया सम्मान

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रगतिशील कृषकों का सम्मान भी किया।

सम्मान पाने वाले किसानों में रायबरेली के विष्णुदत्त पांडेय, पीलीभीत के आयुष अग्रवाल, कन्नौज के विजेंद्र सिंह, मीरजापुर के रामजी दुबे, सहारनपुर की उषा उपाध्याय, बुलंदशहर के अनंत पोद्दार, चंदौली के बलवंत प्रसाद, आजमगढ़ के श्रीप्रकाश सिंह, प्रयागराज के इंदजीत पटेल आदि प्रमुख रहे।

चुनाव आयोग और स्पीकर का फैसला अन्यायपूर्ण, राकांपा अधिकार मामले पर बोले शरद पवार

बारामती में मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि हमें ऐसे ही फैसले की उम्मीद थी। स्पीकर अपने पद की शुचिता को बरकरार रखने में असफल रहे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक रहे शरद पवार ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर का एनसीपी मामले पर दिया गया फैसला पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। शरद पवार ने कहा कि वे इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। दरअसल चुनाव आयोग ने बीते दिनों अपने फैसले में अजित पवार गुट को असली राकांपा (एनसीपी) माना था और पार्टी का चुनाव चिह्न भी अजित पवार गुट को देने का फैसला दिया था। पद की शुचिता बरकरार रखने में असफल रहे स्पीकर- अपने गृहनगर बारामती में मीडिया से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि हमें ऐसे ही फैसले की उम्मीद थी। स्पीकर अपने पद की शुचिता को बरकरार रखने में असफल रहे। चुनाव आयोग और स्पीकर का फैसला अन्यायपूर्ण है। जिन्होंने पार्टी का गठन किया, उन्हें ही बाहर कर दिया गया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह न्याय व्यवस्था के भी हिसाब से गलत फैसला था।

पूरा देश जानता है कि पार्टी किसने बनाई। अशोक चव्हाण के भाजपा में जाने के सवाल पर शरद पवार ने कहा कि इन दिनों, कई केंद्रीय एजेंसियों का दबाव है जैसे एसीबी और ईडी। ये साफ दिख रहा है कि इनका इस्तेमाल विपक्ष के खिलाफ हो रहा है। मराठा आरक्षण पर कही ये बात- मराठा आरक्षण पर शरद पवार बोले कि सरकार को मराठा आरक्षण और जरांगे के मुद्दे पर मजबूत और सही स्टैंड लेना चाहिए। बता दें कि बीते साल जुलाई में एनसीपी दो धड़ों में टूट गई थी। अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के कई विधायक भाजपा-शिवसेना (शिंदे) सरकार के साथ चले गए थे और सरकार में शामिल हो गए। अजित पवार ने एनसीपी पर दावा किया था और बीते दिनों चुनाव आयोग ने भी उनके पक्ष में फैसला सुनाया है। बारामती लोकसभा सीट से अजित पवार द्वारा भी अपना उम्मीदवार उतारने की चर्चाएं है। इस पर शरद पवार ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को चुनाव लड़ने का हक है और अगर कोई अपने हक का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें किसी को शिकायत नहीं होनी चाहिए। हमें लोगों के सामने अपनी स्थिति रखनी चाहिए और लोग जानते भी हैं कि हमने बीते 55-60 वर्षों में क्या किया है।

दिग्विजय बोले- सोनिया गांधी का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे कमलनाथ, उनके भाजपा में जाने का सवाल ही नहीं

मध्य प्रदेश के दिग्गज कांग्रेस नेता कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ कभी भी सोनिया गांधी का साथ नहीं छोड़ सकते। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ जी से मेरी बात हुई है। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। भाजपा में जाने की बातें मनगढ़ंत है और मीडिया की बनाई हुई है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ कभी भी सोनिया गांधी का साथ छोड़कर नहीं जा सकते। जो डर रहे हैं या बिक रहे हैं, वह भाजपा में जा रहे हैं। दरअसल, शनिवार को कमलनाथ ने छिंदवाड़ा के कार्यक्रम रद्द किए और उसके बाद भोपाल होकर दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली में इस समय भाजपा की बड़ी बैठक चल रही है। मध्य प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेता इस समय दिल्ली आए हुए हैं। ऐसे में कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ का अचानक दिल्ली रवाना होना, उनके भाजपा में शामिल होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि जब से कमलनाथ को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाया है, तब से ही वे नाराज चल रहे हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यक्रमों में भी जाना कम कर दिया है। इस वजह से इन अटकलों को भी हवा मिल रही है। दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में कहा कि यह कोई प्लान नहीं है। कमलनाथ जी तो छिंदवाड़ा में है। मीडिया जब तक किसी बात को सनसनीखेज नहीं बनाता, तब तक वह चलता नहीं है। जिस व्यक्ति ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत नेहरू-गांधी परिवार के पीछे खड़े होकर की थी। वह उस समय लड़ रहे थे, जब जनता पार्टी की सरकार इंदिराजी को जेल भेजना चाहती थी। क्या आप विचार भी कर सकते हो कि ऐसा आदमी सोनिया गांधी के परिवार या कांग्रेस को छोड़कर जाएगा।

कमलनाथ हो सकते हैं भाजपा में शामिल, दिल्ली में बोले- जो चल रहा है उससे एक्साइटेड नहीं हूं

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ भाजपा में शामिल हो सकते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय लिया था। छिंदवाड़ा के कार्यक्रम रद्द कर वे दिल्ली पहुंचे। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। उन्होंने शनिवार को अपना छिंदवाड़ा दौरा निरस्त किया और भोपाल होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए। उनके साथ उनके सांसद बेटे नकुलनाथ भी दिल्ली जा रहे हैं। इस दौरे को लेकर प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। दिल्ली में शनिवार से भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हो रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेता दिल्ली में हैं। दिल्ली में अटकलों पर मीडिया के सवालों पर कमलनाथ बोले कि जब कोई बात होगी, तब बताऊंगा। जो चल रहा है उससे एक्साइटेड नहीं हूं। हालांकि, उन्होंने न तो भाजपा में शामिल होने की बात

से इनकार किया और न ही इकरार। इससे सस्पेंस और गहरा गया है। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि छिंदवाड़ा में कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ ने शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ बैठक की। उनसे भाजपा में जाने को लेकर रायशुमारी की गई। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं को बल मिल गया है। बात की है, उनमें गोविंद राय, विश्वनाथ ओकटे, दीपक सक्सेना और सुनील जायसवाल के साथ-साथ अरुणोदय चौबे और रामू टेकाम एवं अनूय नेता शामिल थे। इन नेताओं के साथ बंद कमरे में चर्चा के बाद अटकलों का बाजार गरमा गया है कि कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ भाजपा में शामिल होने वाले हैं। हालांकि, कांग्रेस के छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कहा कि यह सिर्फ चर्चा है। ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के साथ दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। छिंदवाड़ा सांसद नकुल नाथ के सोशल मीडिया ङ्क पर बायो से कांग्रेस हट गया है। इसी तरह कांग्रेस में कमलनाथ के समर्थकों ने भी अपने बायो से कांग्रेस हटा दिया है। कुछ करीबी नेताओं के तो फोन भी बंद हो गए हैं। वहीं, कमलनाथ के समर्थक सैयद जाफर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम कमलनाथ जी के साथ हैं।

न्यायपालिका-कार्यपालिका में टकराव लोकतंत्र में संतुलन के लिए जरूरी, जस्टिस कौल का बड़ा बयान

संसद रत्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका और कार्यपालिका बीच टकराव लोकतंत्र में नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए अच्छा है। न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच थोड़ा बहुत टकराव लोकतंत्र में नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। अदालत का प्रावधान करता है। न्यायमूर्ति कौल ने कहा, हमारे यहां पहले पहले आओ-पहले वहां अदालत व्यवस्था पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। के बीच) थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है। लेकिन अगर दोनों के बीच बहुत सी चीजें स्पष्ट नहीं हैं, तो अहीर, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी भी मौजूद थे। उन्होंने भी समारोह को संबोधित समितियों को आज संसद रत्न से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भाजपा के सांसद सुधीर कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अमोल कोल्हे को दिया गया। सत्रहवीं लोकसभा में लगातार औ भाजपा की हीना गावित को संसद महारत्न से सम्मानित किया गया। वहीं, राकांपा की गया। इसके अलावा, भाजपा पीसी गड्डी गौदर की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति, भाजपा के और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष टीजी वेंकटेश को संसद महात्न से पुरस्कार से सम्मानित किया

गया। लिए अच्छा है। यह बात सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने शनिवार को कही। वह उन्होंने कहा, संविधान में लोकतंत्र के नियंत्रण और संतुलन का जिक्र है, जो एक प्रशासन, एक विधायिका और पाओ की आवधारणा पर आधारित लोकतंत्र है। इसलिए, जहां भी सरकार के पास पचास फीसदी से कम मत होंगे, न्यायमूर्ति कौल ने आगे एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश का हवाला दिया और कहा कि (न्यायपालिका और कार्यपालिका समस्या है। कार्यक्रम में तमिलनाडु की राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रमुख हंसराज किया। चेन्नई के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) प्राइम प्वाइं फाउंडेशन की ओर से बारह सांसदों और तीन संसदीय गुप्ता, शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे, भाजपा के सुकांत मजूमदार, कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा और राष्ट्रवादी अच्छा प्रदर्शन करने वाले आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी, भाजपा के बिद्युत बरन महतो सुप्रिया सुले, शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बारने, बीजद के भर्तृहरि महताब को सांसद उत्कृष्ट महारत्न से सम्मानित किया जयंत सिन्हा की अध्यक्षता वाली वित्त समिति और विजयसाई रेड्डी की अध्यक्षता वाली परिवहन और पर्यटन समिति गया।

संपादकीय Editorial

Purposes of transfers

Amidst the rapid transfers taking place in Himachal, one echo is that the system of administration is changing, on the other hand, before the upcoming Lok Sabha elections, the government has cleaned the entire slate and given priority to the democratic duty. Gradually, SDMs, DSPs, Tehsildars and Naib Tehsildars have been exchanged up to the administrative, police officers and sub-division levels of the districts. By appointing a new line of officials, the Sukhu government has actually revealed its power. The government of one year exercised restraint before writing a big story about transfers and did not give the impression that everything changed with the change of power. Transfers definitely took place during this period, but orders were given only after assessing the need. However, there is news of change in the administrative situation due to transfer and this is also a new test to make the government's policies successful and write a new one with the pen of good governance. In fact, the government has taken up the task of reforming the state system under its own parameters and standards, it is expected that this message will bring new decorations and new handwriting in the scenario of departmental layers. Although all these transfers are being done by the government under a kind of privilege, even after years, neither anything new has been recorded in its policy and rules nor the 'transfer orders' have been viewed with transparency and credibility. These are transfers of many big sirs, which can be understood in the urban context.

The quarters of the big sahibs remain full of amenities even after every transfer, while the transfer orders of the employees, with some variations, follow the traditional conventions of political interaction. The criteria for transfer to vacant posts in village level offices, school-hospitals and public sector service level are based on a list instead of any standard, which is based on two employees, two teachers, two doctors or two employees-officers on other posts. On mutual consent, exchanges are played on mutual ground. The criteria for transfer in Himachal prove what is the status of an officer-employee in power. Now even the privileged employees and officers among those in power are seen holding positions in an expected manner. Therefore, transfer proves the intention and not the destination. We can know why a particular IAS or HAS officer is holding the reins of a district. We can guess why the police officer sent to the battalion could not lay the track. This is the reason why in the previous government, the public was horrified to see a district police officer quarreling with the Chief Minister's personal security officer. This is also a proof that all the officers are now searching for 'their own' government in the system.

The elements of administration may be nothing compared to political reach, but when the VIP caravan moves, this journey now sees the leaders as heroes and the crowd of officials licking their feet. Sometimes there are some tough police officers who drag out crime or make drug dealers sleep on the ground, but most of them do not bring law and order into disrepute. Even such SHO level officers would have been successful, who by dismissing the pages of crime become synonymous with traffic challans only. There is no dearth of successful administrative officers in front of us, but transfer orders keep appearing on action posts. However, the Sukhu government, with restraint for one year continuously, gave a chance to the same top officials who were left on the post by the Jairam government. If the government machinery is capable of completing the work rather than change for the sake of change, then there will be some change in the prevalence of such transfers. Every transfer should have a message. If a teacher changes,

Supreme Court enters 75th year of establishment: Democracy strengthened by historic decisions

Throughout its seven decades of existence, the Supreme Court of India has been instrumental in protecting the fundamental rights guaranteed by the Constitution. Historic decisions have clarified and expanded the scope of these rights, thereby contributing to the protection of individual liberty. The Supreme Court, the supreme temple of justice of republican India, entered its 75th year. Over these seven-plus decades, our judiciary under the Supreme Court has played a remarkable role in shaping and sustaining Indian democracy. The Supreme Court has also played a notable role in upholding the principles of democracy, protecting individual rights, addressing social issues and ensuring accountability of the government. Its decisions have had a lasting impact on the development of Indian democracy. As the guardian of the Constitution, it has earned the unwavering faith of the countrymen and has established itself as a court as well as a temple of justice. The Federal Court itself has been transformed into the Supreme Court - as we have just celebrated seven decades of our country's independence on Republic Day. Therefore, it is important to remember the life journey of the Supreme Court on its diamond jubilee. The Supreme Court came into existence on January 28, 1950, two days after India became a sovereign democratic republic. It was inaugurated in the Narendra Mandal of the Parliament House, which also housed the Parliament of India. On this occasion, President Dr. Rajendra Prasad met Federal Court Judge Chief Justice Harilal Jekisundas and Justices Syed Fazal Ali, M. Patanjali Shastri, Mehar Chand Mahajan, Bijan Kumar Mukherjee and S. R. Das was administered the oath of office. Harilal Kania served as Chief Justice from 1950 to 1951. Justice Anna Chandy was the first woman to be appointed as a judge of a High Court (Kerala High Court) in India in 1959. However, the first woman judge of the Supreme Court was Justice Fatima Beevi. In the Narendra Mandal of the Parliament House, the Federal Court of India sat for 12 years between 1937 and 1950. The Federal Court was made the Supreme Court of Republic of India. The Supreme Court initially sat in the Parliament House itself – until it was shifted to its present building in 1958. The Supreme Court began its sittings in a part of the Parliament House after its inauguration. The shape of the building is designed in the image of the scales of justice. The central wing of the building is the main beam of the scales. In 1979, two new wings 'East Wing and West Wing' were added to the complex. There are a total of 19 courtrooms in different wings of the building. The Court of the Chief Justice is the largest of the courts, located in the center of the central wing. The original 1950 Constitution envisaged the Supreme Court with a Chief Justice and 7 junior judges, while it was left to Parliament to increase this number. In the early years, all the judges of the Supreme Court used to sit together and hear the cases presented before them. As the workload of the court increased and the outstanding cases started increasing. Parliament increased the number of judges to 8 in 1950, 11 in 1956, 14 in 1960, 18 in 1978, 26 in 1986, 31 in 2009 and 34 in 2019 (current number). The Supreme Court of India consists of the Chief Justice and 33 other judges appointed by the President of India. The judges of the Supreme Court retire at the age of 65. Supreme Court remains the guardian of civil rights - During its seven decades of life, the Supreme Court of India has been instrumental in protecting the fundamental rights guaranteed by the Constitution. Landmark judgments have clarified and expanded the scope of these rights, thereby contributing to the protection of individual liberty. The Court has demonstrated judicial activism in addressing issues of public interest and importance. Through public interest litigation (PIL), the court has taken cognizance of matters affecting the public at large, thereby intervening in areas such as environmental protection, consumer rights and social justice. During the Emergency declared in 1975, the Supreme Court played an important role in preserving democratic values. The Supreme Court delivered rulings that upheld individual rights, asserted the supremacy of the Constitution over executive actions, and emphasized the limited nature of government power even during emergencies. Has been active in addressing electoral issues and ensuring free and fair elections. It has given judgments on issues such as the use of electronic voting machines (EVMs), disclosure of criminal records by political candidates and the need for transparency in electoral processes. Landmark Judgments Contributed to Social Reform – The Supreme Court has been active in addressing environmental concerns. For example, it played a key role in measures to protect the Taj Mahal from pollution and took steps to address issues related to air and water pollution. The Court has addressed social issues and delivered judgments that have contributed to social reforms. The Court, balancing the need for affirmative action with the principles of equality, Has dealt with issues related to policies. It has set guidelines and limits on the extent of reservation in educational institutions and government jobs. The resolution of the Ayodhya land dispute in 2019 demonstrated the court's ability to address highly sensitive and long-standing issues, providing a legal resolution to a case that had significant implications for communal harmony. Some landmark judgments of the court-The Supreme Court of India has played a significant role in shaping the legal and judicial landscape of the country since its inception. A.K. The case of Gopalan v. State of Madras (1950) dealt with preventive detention of persons and laid down the principle of the "narrow rule" in relation to the protective provisions of the Constitution. Landmark cases such as Kesavananda Bharati v. State of Kerala (1973) established the principle of basic structure, limiting the power of constitutional amendments. The concept of PIL was developed by S.P. This was introduced in the case of Gupta vs. Union of India (1982). The Supreme Court dealt with the legal consequences of the Bhopal gas tragedy in various cases, including Union Carbide Corporation v. Union of India. The court played an important role in settling compensation issues. The Shah Bano case was related to the maintenance rights of Muslim women and sparked a debate on the Uniform Civil Code. The decision of the Supreme Court was later overturned by the government by making a law. The Ayodhya land dispute case was one of the longest running cases in Indian history. The Supreme Court delivered its verdict on November 9, 2019, allotting the disputed site for the construction of a Hindu temple and providing an alternative portion of land to the Muslim community for a mosque.

Forest fire: Security measures on the margins, forest panchayats of Uttarakhand are helpless in front of the forest fire.

Thousands of forest panchayats in Uttarakhand run as per government rules, but they are not able to extinguish the forest fires because the traditional system has been marginalized. Forests have an important contribution in environmental protection. Farming, water, air, soil are our life and forests are necessary for this. Since ancient times, people have formed forest panchayats to save forests. Chowkidari system was given importance for farming and forest protection in the village. People dependent on forests had also made rules for taking grass and wood from the forests. Signs of this are still visible in hill and tribal villages, where wooden scales are built on forest paths. When people brought grass and wood from the forest, the watchman appointed by the Van Panchayat used to weigh it. Everyone used to give grains to the watchman at every harvest. People did not send animals to pastures between June and September, because in these months new grass and plants grow in the forest. For their safety, people kept the animals at home and arranged for fodder. In this way, since ancient times, man had started managing forests for the importance of his agriculture. Before the arrival of the British in the year 1815, people also managed forests for their livelihood. In the year 1850, Englishman Frederick Wilson, staying in Harshil located at the origin of Ganga valley, took a lease of coniferous forests from the then Tehri King Sudarshan Shah for just Rs 400. Then he exploited the forests here indiscriminately. After cutting all the species of trees of the Ganga valley, they took them along the flow of the river to Haridwar and from there to Kolkata to lay the railway line. Wilson also hunted wild animals. Meanwhile, in the year 1823, the boundaries of the village were also determined, through which efforts were started to limit the rights of the people on the forest land. The British had made the first Forest Act for this in the year 1865. Then in the year 1877, the work of determining the boundaries of the forests was also done. In this process, the entire land except agricultural land was converted into protected forest land. Due to this law of the British, the principle of considering people as encroachers on forest land was issued. However, people took to the streets to protest against this system of the British. This incident happened between 1915-21. After this, the British government formed a 'Complaint Committee' and divided the reserved forests into 'Class One' and 'Class Two', in which arrangements were made to return the rights of the people. Then in 1925, on the basis of the recommendations of the 'Complaint Committee', Panchayati Forest System was started in Uttarakhand on the lines of Community Forest in Madras Presidency. Forest Panchayat Rules were also made in the year 1931. The formation of Van Panchayat started in 1932. At that time the number of revenue villages in Uttarakhand was 13,739. In the year 1976, under Section 28 of the Indian Forest Act, 1927, powers were given to the Revenue Department by amending the Forest Panchayat Rules, which was strongly opposed. After this, the then Uttar Pradesh government formed the Sultan Singh Bhandari Committee with 19 members in the year 1982, but all its amendments could not be accepted. In the peak era of privatization, liberalization and globalization, a scheme named Joint Forest Management was implemented with the help of the World Bank and amendments were made in the Forest Panchayat Rules to run it. After this, the autonomy of Forest Panchayats was abolished and placed under the Forest Department and Forest Panchayats started being formed under the supervision of the government. People's rights have also been affected by this. Scheduled Caste artisans and other traditional forest dwellers, who were making a living from ringal and other forest produce, became unemployed. They faced a crisis of livelihood. There are more than 12 thousand forest panchayats in Uttarakhand, which run as per government rules and regulations, but they are not able to extinguish even the forest fires. The reason for this is that the ancestral rules and regulations of forest and agricultural protection were marginalized.

देवर ने चाकू से वार कर की भाभी की हत्या, फिर सरेंडर करने थाने पहुंचा आरोपी

मुरादाबाद - मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला की उसके देवर ने गला रेतकर हत्या कर दी। महिला की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। महिला ने अपने पहले पति को छोड़कर उसके के दोस्त से दूसरी शादी की थी। महिला के पहले पति से चार बच्चे हैं। इन्हीं बच्चों को लेकर उसकी नई ससुराल में आए दिन झगड़ा हो रहा था। वारदात कटघर थाना क्षेत्र में करुला गली नंबर-7 शफीनगर की है। यहां रहने वाली फरहीन (28) की उसके देवर गुलफाम ने गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के वक्त महिला और उसके दो छोटे बच्चे घर पर थे। पति काम गया हुआ था। इसी बीच देवर गुलफाम घर में घुसा और फरहीन के गले और पेट पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। हत्या करने के बाद गुलफाम मौके से भाग गया और चाकू लेकर कटघर थाने पहुंच कर खुद को सरेंडर कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि देवर गुलफाम ने बेइज्जती होने के कारण भाभी को मौत के घाट उतारा है।

मंडल मुख्यालय पर बड़ी वाशिंग लाइन योजना अधर में, सांसद डॉ.एसटी हसन ने मंत्रालय को लिखा पत्र

मुरादाबाद -मंडल मुख्यालय से लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन की मूल कड़ी यहां टूटी हुई है। केवल नौ कोच की लंबाई की वाशिंग लाइन है, इसे बड़ा करने के कई प्रस्ताव स्वीकार नहीं हो पाए हैं। रेलवे मुख्यालय में सांसद का प्रस्ताव भी असर नहीं दिखा पाया है। स्थान के अभाव में यहां बड़ी वाशिंग लाइन नहीं बन पा रही है। रेल प्रबंधन भी इस मुद्दे पर कुछ भी कहने से बच रहा है। मंडल मुख्यालय से मायानगरी यानी मुम्बई तक सीधी ट्रेन सेवा की मांग में वाशिंग लाइन का अभाव बड़ा अवरोध माना जा रहा है। रेल प्रबंधन का कहना है कि कहीं से ट्रेनों के संचालन के लिए वहां वाशिंग लाइन का होना अनिवार्य होता है। इससे कोच की सफाई और तकनीकी परीक्षण होता है। स्टेशन की लंबाई को लेकर कई बार चर्चा चौपाल तक पहुंच चुकी है। मुरादाबाद में मात्र नौ कोच की लंबाई की ही वाशिंग लाइन है, जहां दो ट्रेनों की सफाई और प्रेशर जांच की सुविधा है। दुर्घटना राहत ट्रेन का मेंटीनेंस भी यहां होता है। भारतीय रेल में 24 कोच होने का मानक है। ऐसे में यहां वाशिंग की लंबाई ही पूरी नहीं है। इसलिए ट्रेन परिचालन की महत्वपूर्ण शर्त ही पूरी नहीं हो पा रही है। सूत्रों का कहना है कि पांच साल पहले यहां कंटेनर डिपो की ओर नई वाशिंग लाइन बनाने का सुझाव भी बेनतीजा रहा। अब सांसद ने विभागीय जानकारों के सुझाव को रेल मंत्रालय तक पहुंचाया है, लेकिन उसका परिणाम शून्य जैसा ही प्रतीत हो रहा है। विभागीय जानकारों का कहना है कि वाशिंग लाइन बनने के बाद ही ट्रेनों को यहां से चलाया जा सकता है। यह सुविधा बरेली और हरिद्वार में है। सांसद डा.एसटी हसन का कहना है कि मुम्बई तक रेल सेवा बहाल कराना हमारा संकल्प है। हमने विभागीय सूत्रों के सुझाव के आधार पर भी विभाग से पत्राचार किया है। प्रबंधन की ओर से नई वाशिंग लाइन का प्रस्ताव भी रेल मंत्रालय में लंबित है। बरेली से बांद्रा के बीच चलने वाली ट्रेन को मुरादाबाद तक लाने का सुझाव भी दिया है। इस ट्रेन को चंदौसी से निकाला जाता हे। ऐसे में अगर इसे मंडल मुख्यालय तक ला दिया जाए तो भी सेवा मिल सकती है। वाशिंग लाइन को लेकर फिर पत्र लिखूंगा।

डीएम-एसएसपी ने पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती परीक्षा का लिया जायजा

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री हेमराज मीना ने पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत महाराजा अग्रसेन इण्टर कालेज, मैथोडिस्ट गर्ल्स इण्टर कालेज, पारकर इण्टर कालेज, हिन्दू मॉडल इण्टर कालेज, एम0एम0 डिग्री कालेज, हैविट मुस्लिम इण्टर कालेज, डी0पी0जी0एस0 स्कूल में प्रथम पॉली में परीक्षा केन्द्रों पर जाकर परीक्षा का लिया जायजा। निरीक्षण के दौरान सभी विद्यालयों में पुलिस भर्ती परीक्षा शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न होती पायी गयी। जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों पर लगे स्टैटिक मजिस्टेऊटों को एलर्ट/भ्रमणशील रहने के निर्देश दिये।

जनपद मुरादाबाद में धारा 144 लागू-डीएम

मुरादाबाद - आगामी पर्व संत रविदास जयन्ती, शबे बरात, महाशिवरात्रि, होली एवं जनपद मुरादाबाद में आयोजित आगामी विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था तथा साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने की दृष्टि से लोक व्यवस्था बनायें रखने हेतु जिला मजिस्टेऊट श्री मानवेन्द्र सिंह ने अपनी पूर्ण संतुष्टि के उपरान्त दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अर्न्तगत निषेधाज्ञा जारी की है, जो कि दिनांक 14.04.2024 तक जनपद मुरादाबाद में लागू रहेगी।

ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम का आयोजन 19 फरवरी को पंचायत सभागार में

मुरादाबाद - संयुक्त आयुक्त उद्योग ने अवगत कराया है कि गत वर्ष माह फरवरी 2023 में राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का सफल आयोजन किया गया था, जिसमें 27000 से अधिक निवेश प्रस्ताव/एम0ओ0यू0 प्राप्त हुए, जिसमें 38.78 लाख करोड़ से अधिक का निवेश तथा 1.12 करोड़ रोजगार निहित हैं। इन प्रस्तावों /एम0ओ0यू0 को धरातल पर लाने की कार्यवाही विभागों द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 19.02.2024 को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी / 4.0 का शुभारम्भ लखनऊ में मा0 प्रधानमंत्री के कर-कमलों द्वारा किया जायेगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग ने बताया है कि उक्त के परिप्रेक्ष्य में जनपद में ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 19 फरवरी 2024 को प्रातः 11:00 बजे पंचायत भवन सभागार में किया जायेगा तथा उक्त कार्यक्रम में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया जायेगा।

पूर्व प्रधान हत्याकांड: 28 साल से दोनों परिवारों में चल रही थी रंजिश, कई बार हो चुकी भिड़ंत..अब चली गोली

मुरादाबाद -मुरादाबाद के मैनाठेर में पूर्व प्रधान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पिता-पुत्र समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया था। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि दोनों परिवारों के बीच 28 साल से रंजिश चली आ रही थी। मैनाठेर इलाके में पूर्व प्रधान और आरोपी पक्ष के बीच 28 साल से रंजिश चल रही थी। इसके बाद से दोनों परिवार कई बार आमने सामने आ चुके थे। 1996 में 28 साल पहले पूर्व प्रधान राजवीर सिंह और आरोपी जगदीश की भी मेंथा टंकी थीं। जगदीश की मेंथा टंकी पर चोरी की घटना हुई थी। इस मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच की थी। जिसे लेकर दोनों परिवारों में रंजिश शुरू हो गई थी। 2000 में राजवीर सिंह गांव के प्रधान बन गए थे। तब जिला पंचायत ने मेंथा टंकी के संचालन पर टैक्स लगाया था। उस समय बताया जा रहा है कि जगदीश को मेंथा टंकी के संचालन करने पर जिला पंचायत से नोटिस मिला था। नोटिस पर जगदीश ने ग्राम प्रधान से नाराजगी भी जताई थी। माना जा रहा है कि कहीं इसी रंजिश में तो पूर्व प्रधान की हत्या की गई है। बताते है कि पुलिस ने आरोपी जगदीश को पकड़ा तो उसने मेंथा टंकी पर टैक्स के मामले में मिले नोटिस की जानकारी भी दी है, जिसकी गांव में दिनभर चर्चा होती रही। 35 साल पहले हुआ था रसूलपुर गौसर में मर्डर- क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुड़िया जैन के मझरा रसूलपुर गौसर में शुक्रवार सुबह में जब फायर की आवाज सुनी तो अनहोनी की आशंका में लोग सहम गए। कुछ ही देर में गांव में हल्ला मच गया कि पूर्व प्रधान चौधरी राजवीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर मैनाठेर पुलिस पहुंची और पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पूछने पर बुजुर्गों ने बताया कि उनके गांव रसूलपुर गौसर में हमेशा शांति रहती है, लेकिन पूर्व प्रधान की हत्या होना समझ में नहीं आ रहा है। अब से 35 साल पहले रसूलपुर गौसर में दिनदहाड़े इसी तरह से एक किसान की हत्या की हुई थी। पूर्व प्रधान मृदुल स्वभाव और व्यवहार कुशल थे, हमेशा से लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करते थे, यहां तक की हत्यारोपी जगदीश भी पूर्व प्रधान के पास बैठता और चाय पीकर जाता था। जगदीश के खेतों का रास्ता पर राजवीर सिंह के मकान के सामने से जाता है। पूर्व प्रधान की पत्नी की 15 साल पहले बीमारी के चलते मृत्यु हो चुकी है जबकि परिवार में एक पुत्र सोमवीर सिंह और पुत्रवधू उर्मिला देवी के साथ रहते थे। बेटी की शादी हो चुकी है। उनका बेटा सोमवीर मैनाठेर बिजलीघर में एसएसओ के पद पर कार्यरत है। वर्ष 2000 में ग्राम प्रधान चुने गए राजवीर सिंह-ग्राम पंचायत मुड़िया जैन में मझरा रसूलपुर गौसर, हयातपुर, मिलक और मढैइया पांच गांव शामिल है। वर्ष 2000 में हुए पंचायत चुनाव में चौधरी राजवीर सिंह निवासी रसूलपुर गौसर कुंदरकी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुड़िया जैन के ग्राम प्रधान चुने गए थे और वह 2005 तक प्रधान रहे थे। ग्राम प्रधान रहते हुए राजवीर सिंह ने ग्राम मुड़िया जैन, रसूलपुर गौसर, हयातपुर, मढैइया और मिलक अपने प्रयासों से काफी विकास कार्य कराए थे। साथ ही राजवीर सिंह गन्ना समिति बिलारी के डेलीगेट भी रहे हैं। भाकियू के किसान आंदोलनों में राजवीर सिंह बढ़ चढ़कर प्रतिभाग करते थे। पुलिस की मौजूदगी में हुआ शव का अंतिम संस्कार- शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद जब मुरादाबाद से पूर्व प्रधान चौधरी राजवीर सिंह का शव ग्राम रसूलपुर गौसर में उनके घर पर पहुंचा तो लोगों का तांता लगना शुरू हो गया। एक घंटे के बाद पूर्व प्रधान के शव को गांव के ही श्मशान घाट पर लेकर अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान मैनाठेर पुलिस भी मौजूद रही।

कोर्ट में पति को देख भावुक हुई पत्नी, पल्लू से बांध लिया, बोली- साथ चलूंगी; सात साल से रह रहे हैं अलग

मुरादाबाद -रामपुर के शाहबाद की तहसील कोर्ट में पहुंचे पति-पत्नी के बीच कलह हो गई। दोनों सात साल से अलग-अलग रह रहे हैं। पत्नी ने जब पति को देखा तो वह उसके साथ रहने की बात पर अड़ गई। इससे हंगामा खड़ा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को समझाकर उनके घर भेज दिया। करीब सात साल पहले हुई शादी के कुछ ही दिन बाद पति-पत्नी में अनबन हो गई। इसके बाद महिला मायके चली गई और पति व ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दिया था। शुक्रवार को पति-पत्नी मुकदमे की सुनवाई के लिए तहसील स्थित ग्रामीण न्यायालय में आए तो महिला पति के साथ जाने की जिद पर अड़ गई।उसने पति का हाथ अपने पल्लू से बांध लिया। हालांकि, पुलिस के समझाने पर दोनों मान गए और अपने-अपने घर चले गए। शाहबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला की शादी मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से 2017 में हुई थी। शादी के कुछ दिन के बाद से ही पति और पत्नी में अनबन शुरू हो गई थी। इसी मुकदमे में पति-पत्नी का शुक्रवार को तारीख पर शाहबाद पहुंचे थे। इसी दौरान पत्नी ने अपने पति के साथ ससुराल जाने की जिद पकड़ ली। पति ने ससुराल ले जाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच जमकर हंगामा हुआ। पत्नी ने अपने पति का हाथ पल्लू से बांध लिया और कहा कि मैं तुम्हारे साथ ही चलूंगी लेकिन पति साथ ले जाने को तैयार नहीं हुआ। कई घंटे तक हंगामा चलता रहा। दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे थे। बाद में पति-पत्नी एसडीएम सुनील कुमार के पास पहुंचे। इसके बाद सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और दोनों को कोतवाली ले आई। कोतवाल ओमकार सिंह ने बताया कि पत्नी ने दहेज एक्ट, भरण-पोषण, घरेलू हिंसा, पति के भाई पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। शुक्रवार को वह अपने पति के साथ जाने की जिद पर अड़ गई। बाद में दोनों को समझाया गया तो वे मान गए। महिला अपने मायके और युवक अपने घर चला गया। पति का आरोप, गलत फोटो दिखाकर की शादी - हंगामे के बाद युवक ने बताया कि उसकी शादी धोखे से कराई गई थी। ससुराल वालों ने फोटो किसी और की दिखाई थी, लेकिन शादी किसी और लड़की से करा दी गई। हालांकि, महिला ने इन आरोपों से इनकार किया।

ट्रेनों की देरी को लेकर यात्री घबराए, उपासना और गरीब रथ एक्सप्रेस लेट

मुरादाबाद -पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए ट्रेन का सहारा लेने वाले यात्री घबराए रहे। लखनऊ देशा से मुरादाबाद आने वालों को तब राहत मिली, जब आनंद विहार की ओर जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस 3 घंटे 19 मिनट लेट से यहां पहुंची। उपासना एक्सप्रेस के यात्री 2 घंटे 46 मिनट से और गरीब नवाज के मुसाफिर 1 घंटे 30 मिनट से ट्रेन का इंतजार करते रहे। जनसाधारण, जननायक, अवध असम, अमरनाथ और आनंद विहार से चलने वाली साप्ताहिक एक्सप्रेस भी लेट रही।

सुपरफास्ट समक्रांति एक्सप्रेस 5 घंटे 47 मिनट की देरी से चल रही है। यह गाड़ी बिहार के मुजफ्फरपुर से आंनद विहार के लिए चलती है। लखनऊ के बाद बीच में कोई ठहराव नहीं होने की वजह से पुलिस भर्ती परीक्षा का कोई यात्री इसमें सवार नही था। उधर, ट्रेनों के इंतजार में यात्री स्टेशन पर खड़े हैं और परीक्षा की वजह से स्टेशन का यात्री प्रतीक्षालय खचाखच भरा है।

कौन कहे बहू काले की.. छन छन बोलै नू बोलै तेरी तागड़ी, हरियाणा के कलाकारों ने भरा जोश

अमरोहा महोत्सव में हरियाणा के कलाकारों ने जमकर रंग जमाया। पहली बार राजकीय इंटर कॉलेज के मिनी स्टेडियम में आयोजित हो रहे अमरोहा महोत्सव में रोज नई प्रस्तुतियां लोगों को खूब भा रही है। दिन ढलते ही लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो जाती है।अमरोहा महोत्सव में शाम हरियाणवी कलाकार अजय हुड्डा, निर्मित सिंह और इंडियन आइडियल नीरज बख्शी के नाम रही। तीनों तीनों कलाकारों की दीवानगी महोत्सव में मौजूद लोगों के सिर चढ़कर बोली। झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक अजय हुड्डा के सुरों का जादू ऐसा चला कि दर्शक झूमने लगे। अजय हुड्डा अपने हरियाणी अंदाज में मंच पर आए। आते ही उन्होंने सबसे पहले हाय नि मेरी मोटो... गाना गाया। इसके बाद तोसे कौन कहे बहू काले की... छन छन बोले नू बोले तेरी तागड़ी... बटुआ सा मुंह तेरी पतली कमर, राम जी ने छोड़ी की ना कोई रे कसर... महीने भीतर बन जागी तेरी सॉलिड बॉडी रे... जैसे बेहतरीन गाने गाकर दशकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कलाकार निर्मित सिंह और नीरज बख्शी ने भी अपने अंदाज में खूब धमाल मचाया। पहली बार राजकीय इंटर कॉलेज के मिनी स्टेडियम में आयोजित हुए अमरोहा महोत्सव में रोज नई प्रस्तुतियां लोगों को खूब भा रही है। दिन ढलते ही लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो जाती है। रोजाना अलग-अलग कलाकार अपनी प्रस्तुति से लोगों का दिल जीत रहे हैं। महोत्सव में पहुंचने वाले युवा, बच्चे चाट पकौड़ी का आनंद ले रहे हैं। हिंडोला पर झूला झूलना और मिक्की माउस पर मस्ती करना पसंद आ रहा है। महिलाएं मीना बाजार में खूब खरीदारी कर रही हैं। शुक्रवार की रात स्पोर्ट्स से जुड़े खिलाड़ी और कोच को सम्मानित किया गया।

अधिकारियों की माने तो ये वही विजेता खिलाड़ी हैं जो अमृत महोत्सव के दौरान प्रशासन की ओर से कराई गई खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल हुए थे। इस दौरान डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी कुंवर अनुपम सिंह, एडीएम सुरेंद्र सिंह, मायाशंकर यादव, ईओ डॉ. बृजेश सिंह, तहसीलदार हेमंत कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

धांधली की योजना बनाते 15 व्यक्ति एटा पुलिस की हिरासत में

पूर्ण पारदर्शिता के साथ जिले में समपन्न करायी जाऐगी पुलिस भर्ती परीक्षा – एसएसपी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा ! वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिहं ने पुलिस लाइन में पुलिस फोर्स की बैठक में यह स्पष्ट कर दिया कि जिले में पुलिस परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता के साथ समपन्न कराया जाऐगा ! इसी श्रखंला में आज शनिवार उनके निर्देशन में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी की परीक्षा के दृष्टिगत जनपदीय पुलिस द्वारा सतर्क दृष्टि रखी जा रही थी। इसी क्रम में जनपदीय सर्विलांस टीम व थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में धांधली करने की योजना बनाते हुऐ वीरेश राजपूत पुत्र औसान सिंह निवासी भोपालपुर ककरावली थाना पिलुआ , अवतार सिंह पुत्र अमोल सिंह निवासी प्रतापपुर थाना अमापुर कासगंज , शिवम कुमार पुत्र राजपाल सिंह ग्राम बीरपुर थाना मिरहची ,अजीत कुमार पुत्र विनोद सिंह निवासी नगला ब्रज लाल थाना निधौलीकलां , विशाल यादव पुत्र शैतान सिंह निवासी ककैरा थाना कोतवाली देहात ,रजनीश कुमार पुत्र उदयवीर सिंह निवासी हसनपुर थाना अमापुर कासगंज , बॉबी यादव पुत्र कुवरपाल सिंह यादव निवासी पीपल अड्डा थाना कोतवाली नगर , सचिन कुमार पुत्र अर्जुन सिंह निवासी पीपल अड्डा थाना कोतवाली नगर , रतनेश कुमार पुत्र वीरेश सिंह निवासी लहरा थाना निधौलीकलां , राजकुमार पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी सरनऊ थाना मिरहची , हरवेश कुमार पुत्र दीवान सिंह निवासी नगला छित्तर थाना अवागढ़ , अजय कुमार पुत्र नवाब सिंह निवासी चिन्नपुरा थाना कोतवाली देहात , अंकित यादव पुत्र श्यामवीर सिंह निवासी बृजलाल थाना निधौली कला , संजेश पुत्र रतन सिंह ग्राम नगला पीपला थाना औछा जनपद मैनपुरी , सौरभ पुत्र रामेंद्र निवासी सुनहरी नगर थाना कोतवाली नगर , को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। स्थानीय पुलिस द्वारा प्रकरण की गहराई से छानबीन करते हुए प्रकरण में थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एटा में भूकम्प से बचाव पर मॉकड्रिल का आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- एटा, हृष्ठ्रूस्र गाजियाबाद के सहयोग से जवाहर लाल नेहरू डिग्री कॉलेज, एटा में भूकम्प से बचाव पर मॉकड्रिल का आयोजन हुआ। इस मॉकड्रिल में भूकम्प आने पर स्थानीय समुदाय का कार्य तथा उसके बाद की जाने वाली कार्यवाही को किया गया। मॉकड्रिल में भूकम्प आने पर संबंधित विभाग कैसे कार्य करेगें तथा उनका कार्य किस प्रकार होगा, इसको परखा गया। इसके अलावा इस मॉकड्रिल में आग लगने पर आग को कैसे बुझायें, तथा प्राथमिक चिकित्सा कैसे करे व घायल व्यक्ति को ऑक्सीजन किस प्रकार दें इसके बारे में भी बताया गया।

इस भूकम्प से बचाव के मॉकड्रिल में विभिन्न विभागों जैसे- राजस्व विभाग, नगर पालिका, जल निगम, सिचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, सिविल डिफेन्स, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग, पूर्ति विभाग, सूचना विभाग के स्थानीय अधिकारी व मीडिया जगत से पत्रकार बन्धु सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी अपने विभाग के आपदा से बचाव सम्बन्धी उपकरणों, संसाधनों तथा टीम के सदस्यों के साथ मौजूद रहे। इस मॉकड्रिल में जवाहर लाल नेहरू कॉलेज, एटा में अध्ययन करने वाले सभी छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस मॉकड्रिल के सफलता पूर्वक सम्पन्न होने के बाद श्री सत्य प्रकाश अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों तथा कॉलेज में अध्ययन छात्रों व कॉलेज प्रशासन का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जवाहर लाल नेहरू कॉलेज के प्राचार्य, चीफ प्रॉक्टर सहित उप जिलाधिकारी सदर, नायाब तहसील, जिला आपदा विशेषज्ञ एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी, उप नियंत्रक सिविल डिफेन्स, सहायक उप नियन्त्रक सिविल डिफेन्स, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, जिला पूर्ति अधिकारी, फायर आफिसर, हृष्ठ्रूस्र के डिप्टी कमांडेंट सहित 03 अधिकारी व उनके टीम के 24 जवान, फायर विभाग के 15 जवान, सहित प्रमुख विभागों के अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।- जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एटा। इस पूर्वाभ्यास का मुख्य उद्देश्य भूकंप जैसी आपदा के समय बेहतर प्रबंधन और आपसी समन्वय से अधिक से अधिक मानव जीवन की रक्षा और राहत व बचाव कार्यों के त्वरित निष्पादन का आकलन कर इन्हें और बेहतर करना है। जिलाधिकारी, एटा, मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न विभागों की आपदा के समय त्वरित कार्यवाही की क्षमता को समझा जाता है। इस कार्यक्रम के आयोजन के पश्चात विभिन्न विभागों के साथ राहत व बचाव योजना को और बेहतर बनाने पर सभी के सुझाव लिए जाएंगे। - सत्य प्रकाश, अपर जिलाधिकारी, प्रशासन

काशी में जिस चौराहे पर राहुल ने दिया भाषण, उसे भाजपा नेताओं ने गंगा जल से धोया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर बनारस पहुंचे। यहां उन्होंने करीब 12 किलोमीटर लंबा रोड शो निकाला। राहुल गांधी न्याय यात्रा का काफिला यूपी के बीजेपी का गढ़ वाराणसी पंहुचा। बाबा दर्शन क़े बाद न्याय यात्रा को सम्बोधन करने हेतु काफिला गोदौलिया चौराहे पर पंहुचा, वहां आम जन को सम्बोधन करने क़े बाद जैसे ही काफिला लक्सा की तरफ निकला वैसे ही स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ता अपने साथियों के साथ राहुल गांधी के शब्दों का विरोध करते हुए चौराहे को गंगाजल से धोया। जिसका नेतृत्व भाजपा कार्यकर्ता मुन्ना लाल यादव ने अपने साथियों के साथ किया। उन्होंने राहुल को नकारा बताया और उनका विरोध किया। ऐसा करने वाले पहले कांग्रेस नेता बने राहुल गांधी- बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज उत्तर प्रदेश में दूसरा दिन है। यात्रा को शुरू हुए 35 दिन हो चुके हैं। राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में चौथी बार हाजिरी लगाई। गोदौलिया से रथयात्रा रूट पर पहली बार कोई कांग्रेस नेता राजनीतिक यात्रा की। पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी समेत किसी भी नेता ने बनारस में इस रूट पर कोई राजनीतिक यात्रा नहीं की है। मेरी यात्रा में भाजपा-आरएसएस के लोग भी आए- वाराणसी में लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान मैंने कभी नफरत नहीं देखी। यहां तक कि भाजपा और आरएसएस के लोग भी यात्रा में आए। जैसे ही हमारे पास आए। उन्होंने हमसे अच्छे से बात की। यह देश तभी मजबूत होता है। जब हम साथ मिलकर काम करते हैं। देश को एक साथ लाना ही देश के प्रति सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश में नफरत और डर का माहौल है। देश में बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा- राहुल गांधी ने कहा कि देशभक्ति देश को एकजुट करना है। आज बेरोजगारी देश का सबसे बड़ा मुद्दा है। आगे कहा कि अरबपति जितना टैक्स दे रहा उतना ही एक गरीब भी दे रहा है। इसीलिए मैंने भारत जोड़ो यात्रा में न्याय शब्द जोड़ है।

स्टेडियम में जिला स्तरीय प्रतियोगिता के साथ सांसद खेलों का रंगारंग समापन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित अंतिम दिवस एटा तथा मारहरा विधानसभा के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। बेहतर प्रदर्शन के साथ एटा विधानसभा ने सांसद खेलों की चैंपियनशिप जीती। सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने विजेता उपभोक्ता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र तथा मेडल पहनाकर सम्मानित किया। शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप जैन तथा विधान परिषद सदस्य आशीष यादव आशु द्वारा फीता काटकर किया गया। सांसद खेलो के संयोजक जिला मंत्री भाजपा विनीत भारद्वाज ने आभार जताया। इस अवसर पर मारहरा विधायक वीरेंद्र लोधी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ अवधेश , उप जिलाधिकारी भावना विमल, बीएसए दिनेश , क्रीड़ा अधिकारी पूजा भट्ट, अध्यक्ष नगर पालिका सुधा गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता व खिलाड़ी मौजूद रहे।

आर्यन ने किया गौरवान्वित

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- डॉ. लोकमन दास पब्लिक स्कूल के छात्र आर्यन पाल ने जे ई ई मैंस 2024 में 98.63 परसेंटाइल प्राप्त कर जिले में विद्यालय को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि ऊन्होंने स्व अध्ययन एवं विद्यालय की सहायता से प्राप्त की। सफलता पर प्रबंधक स्वागत पचौरी जी ने आर्यन को सम्मानित किया। इस अवसर प्रधानाचार्या विजया गॉड एवं विद्यालय परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

वित्त एवं लेखा अधिकारी जी से शिक्षको की विभिन्न समस्यों से संबंधित वार्ता की

क्यूँ न लिखूँ सच
शेर सिंह

बरेली- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बरेली की टीम ने जिला संयोजक जितेंद्र गंगवार की अध्यक्षता में वित्त एवं लेखा अधिकारी जी से शिक्षको की विभिन्न समस्यों से संबंधित वार्ता की।

संगठन द्वारा जैसा कहा गया था की वेतन के बाद संगठन का अगला कार्य एरियर निकलवाना रहेगा उसी क्रम में लेखा अधिकारी जी द्वारा बताया गया कि एरियर का भुगतान अगले सप्ताह तक हो जाएगा और आज से ही एरियर का कार्य शुरू हो गया है।एरियर पहले आएगा,पहले निकलेगा के आधार पर भुगतान होगा।जिला सहसंयोजक विनोद कुमार द्वारा कहा गया कि अगर शिक्षको का एरियर का भुगतान अगले सप्ताह तक नही हुआ तो संगठन धरना करेगा,आप सभी तैयार रहे।

प्राथमिक शाला माध्यमिक शाला महुली स्कूल ग्राउंड से तहसीलदार ने गिट्टी बालू ईंट कों हटाया

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर के ग्राम पंचायत महूली के माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला ग्राउंड में ग्रामीणों द्वारा अवधि रूप से गिट्टी भालू रखा हुआ था जहां सूरजपुर कलेक्टर भैया थान अनुविभाग्य अधिकारी एसडीएम सागर सिंह को ग्रामीणों द्वारा शिकायत किया गया था यहां तत्कालीन अनुभाग्य अधिकारी के आदेश के बाद बिहारपुर तहसीलदार संजय शर्मा द्वारा महुली माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला में आकर ग्राउंड से तत्काल एटा बालू गिट्टी को हटाया वही तहसीलदार द्वारा ग्रामीणों को समझाइए की गई थी सरकारी स्कूल ग्राउंड में किसी तरह की ना करें नहीं विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाएगी तहसीलदार बिहरपुर संजय शर्मा री राम सकल सिंह हल्का नंबर पटवारी छत्रपाल लकड़ा

पहली बार इंडो रामा यूरिया की रैक का जनपद एटा आगमन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जनपद में प्रथम बार इंडो रामा यूरिया की रैक का आगमन हुआ इस रैक में यूरिया खाद 1380 इमटी संजीव ट्रेडर्स थोक विक्रेता के माध्यम से सभी फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को रेक पॉइंट से जिला कृषि अधिकारी द्वारा वितरित कराई गई

जनपद में रैक पहुंचने पर दुकानदार एवं कृषक बंधुओ ने सरकार एवं जिलाधिकारी महोदय एटा के इस कदम को स्वागत योग्य बताया वर्तमान में जनपद में यूरिया कुल 20015 मीटिंग टन उपलब्ध है साथ ही स्त्रड्डश्च, एनपीके पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है सभी थोक विक्रेताओं एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया के नियमानुसार निश्चित दर पर ही बिक्री करें। रैक प्वाइंट पर संजीव गुप्ता, अजय गुप्ता एवं अन्य विक्रेता उपस्थित रहे

कैंडल मार्च निकालकर पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- अवागढ़। हिन्दू एकता समूह द्वारा कस्बा में कैंडल मार्च निकाल पुलवामा हमले में बलिदान हुए भारतीय जावाजों को श्रद्धांजलि दी। कार्यकर्ता अवागढ़ तिराहा पर एकत्रित हुए जिसके बाद कैंडल हाथ में लेकर मुख्य बाजार में होते हुए नारेबाजी के साथ शिव जी मन्दिर बाराद्वारी पर कैंडल मार्च का समापन हुआ। इस मौके पर संगठन उपाध्यक्ष अतुल, संगठन कोषाध्यक्ष मुकेश फौजी, आन्दोलन प्रमुख सोनू महाकाल, संगठन गौ सेवा प्रमुख वीरेश ,जिला सचिव एटा प्रशांत, जिला उपाध्यक्ष मयंक, नगर अध्यक्ष दुष्यंत , कृष्णा, आदित्य, अजय ,निशांत, इशांत ,शिवम, अंकुश, राहुल, अंशु, निखिल, संगम ,सुभाष ,विशाल, रामू,अभिषेक, गोलू, ऋषभ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अमरकंटक पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा की पूजा अर्चना

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अनूपपुर जिले के अमरकंटक प्रवास के दौरान मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल में पहुंचकर मां नर्मदा जी की पूजा अर्चना की तथा प्रदेश के नागरिकों के कल्याण और सुख समृद्धि के लिए मां नर्मदा से कामना की तथा नर्मदा मंदिर परिसर में कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर कन्या पूजन पश्चात नगर भंडारे के भंडार गृह पहुंच सेवा की । इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल , अध्यक्ष मध्य प्रदेश कोल विकास प्राधिकरण रामलाल रौतेल , कमिश्नर शहडोल संभाग गोपाल चन्द्र डाड,एडीजीपी डीसी सागर , डीआईजी सुश्री सविता सोहने ,जिला कलेक्टर आशीष वशिष्ठ , पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह , भाजपा जिलाध्यक्ष रामदासपूरी सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

स्वयंसेवकों ने मलिन बस्ती के युवाओं को कौशल विकास मिशन के लिए किया प्रेरित

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।बरेली कॉलेज बरेली में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई द्वितीय एवं तृतीय के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशार्थ गौतम एवं डॉ बृजवास कुशवाहा ने स्वयंसेवकों को कौशल विकास हेतु युवा विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न रोजगार योजनाओं एवं अवसरों के बारे में बताया कि उत्तर प्रदेश में संचालित कौशल विकास योजना के अंतर्गत आप सभी युवा कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर, फूड प्रोसेसिंग, फर्नीचर और फिटिंग, हैंडीक्राफ्ट, समेत अन्य कई विधाओं की ट्रेनिंग कोर्स फ्री में कराता है।

इसके अलावा भारत सरकार के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत तीन महीने, छः महीने एवं एक साल का पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के बाद प्रमाणपत्र दिया जाता है जो पूरे देश में मान्य है।स्किल इंडिया मिशन भी एक सरकारी एवं व्यापक योजना है जिसके अंतर्गत कई कौशल योजनाएं और कार्यक्रम संचालित हैं। इसका मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को पर्याप्त कौशल सेट के साथ सशक्त बनाना है जो प्रासंगिक क्षेत्रों में रोजगार को सक्षम और उत्पादकता में भी सुधार करने में सहायक है। फिर दोनो इकाइयों ने चयनित मलिन बस्ती में जन जन तक पहुंच कर सभी युवाओं से कौशल विकास प्रशिक्षण के लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिससे पात्र लोग ऐसी योजनाओं में सक्रिय हो सके। स्वयंसेवकों में दीपक, मयंक, अनुज, आदित्य, विकास, एकांश,सूर्य, सलीम, योगेंद्र, आदित्य, आसिद आदि ने भाग लिया।

अश्लील इशारे करने का विरोध पड़ा भारी, ईंट से कूंचकर बुजुर्ग को मारा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार...अन्य की तलाश

मृतक के भतीजे धर्मेंद्र सिंह की तहरीर पर अरुण कुमार दुबे, उसकी बहन निधि शुक्ला और बुआ के लड़का शेष नारायण तिवारी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में शामिल अन्य की तलाश की जा रही है। कानपुर में साढ़ थाना के गाजीपुर गांव में गुरुवार रात तिलक समारोह में महिलाओं से अश्लील इशारे कर रहे नशे में धुत युवक को हरिबहादुर सिंह उर्फ टिक्कर (55) ने तमाचा जड़ दिया। इसकी खुन्नस आरोपी ने रात में निकाली और साथी संग मिलकर टिक्कर की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी। इसके बाद शव 200 मीटर दूर कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने भतीजे की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया है। हरिबहादुर सिंह उर्फ टिक्कर अविवाहित थे। वह गांव से 700 मीटर दूर खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे में रहते थे। भतीजे धर्मेंद्र सिंह ने बताया गुरुवार शाम गांव में तिलक समारोह में अरुण कुमार दुबे नशे में धुत होकर महिलाओं की तरफ अश्लील इशारे कर रहा था। हरिबहादुर ने अरुण को एक तमाचा जड़ दिया। इस पर अरुण धमकी देकर चला गया। उसने कहा था कि सुबह का सूरज नहीं देख पाएगा...। इसके बाद शुक्रवार सुबह वह ट्यूबवेल पहुंचा तो वहां कोई नहीं था। ट्यूबवेल के बाहर चाचा की बाइक खड़ी थी, जिसमें खून के निशान थे। इसके साथ ही कुछ दूरी पर भी खून के निशान पड़े थे। अनहोनी की आशंका में पुलिस को सूचना दी। खून के छींटों के सहारे कुएं के पास पहुंची टीम - हत्या की सूचना पर फोर्स संग मौके पर पहुंचीं एडिशनल डीसीपी साउथ अंकिता शर्मा, एसीपी घाटमपुर रंजीत सिंह ने जांच पड़ताल। इस दौरान खून के छींटों के सहारे टीम करीब 200 मीटर दूर कुएं के पास पहुंची। कुएं के पास भी खून पड़ा था, साथ ही कुएं में अरहर की पिंजी पड़ी थी। इस पर दमकल विभाग को फोन कर बुलाया गया। एक बोरी नमक भी डाला गया था दमकल ने कुएं में उतरकर देखा, तो टिक्कर का शव पड़ा था। कुएं की गहराई करीब 28 फीट है। उसमें एक बोरी नमक भी डाला गया था। हत्यारोपियों ने टिक्कर के चेहरे और सिर को ईंट से कूंचने के बाद पैर बांधकर कुएं में डाल दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया, तो ग्रामीण हंगामा करने लगे। पुलिस ने अरुण दुबे को गिरफ्तार कर लिया है-वे आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे थे। करीब आधा घंटा बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पाई। वहीं, पुलिस ने अरुण दुबे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बेंजाडिन टेस्ट किया तो हाथ और कपड़ों में खून के साक्ष्य मिले हैं। शव के ऊपर डाला था नमक- आरोपी करीब 200 मीटर दूर शव कुएं तक घसीटकर ले गए। पूरे रास्ते भर में खून के छींटे पड़े मिले। ग्रामीण और पुलिस भी इन्हें छींटों के सहारे कुएं तक पहुंचे। ग्रामीणों के मुताबिक हरिबहादुर सिंह दोहरी कदकाठी के थे। हत्या कर शव को दूर ले जाना अकेले किसी के बस की बात नहीं है। हत्यारोपियों की धरपकड़ के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं- हत्या कर शव ठिकाने लगाने में दो से तीन लोग रहे होंगे। साढ़ थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि हत्यारोपियों की धरपकड़ के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। सर्विलांस टीम की मदद ली जा रही है। कुएं में नमक डालने के लिए कहां से लाया गया, यह भी तलाशा जा रहा है। मृतक के भतीजे धर्मेंद्र सिंह की तहरीर पर अरुण कुमार दुबे, उसकी बहन निधि शुक्ला और बुआ के लड़का शेष नारायण तिवारी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में शामिल अन्य की तलाश की जा रही है। -अंकिता शर्मा, एडिशनल डीसीपी साउथ

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई यूपी पुलिस में सिपाही भर्ती परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में शनिवार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के द्र व्यवस्थापक आशीष कुमार सिंह,स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट इंस्पेक्टर उदयवीर सिंह, कोमल गुप्ता की देखरेख में दो पालियों में कुल पंजीकृत 504 अभ्यार्थियों में प्रथम पाली में 392 तथा द्वितीय पाली में 421ने परीक्षा दी।

परीक्षा में रावेन्द्र प्रताप सिंह, डॉक्टर हरमीत सिंह, रघुवीर सरन, कुसुम गंगवार, डॉक्टर राजेश कुमार गंगवार, लोकेश कुमार, रमेश कुमार, अतुल कुमार मौर्य रावेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदीप कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष संजय कुमार एस आई दीपक कुमार, चौकी प्रभारी सौरभ यादव सहित भारी संख्या में पुलिस फ़ोर्स मौजूद रहा।

72 घंटे बाद खौला घर वालों का खूनः यूपी में छात्रा को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, सात घंटे तक नोचते रहे दरिंदे

पीड़िता ने बताया कि सुबह लगभग नौ बजे अरून और गोविंदा ने उसे अगवा किया और शाम चार बजे तक अपने यहां रोक कर रखा। इसके साथ दोनों ने दरिंदगी की। सात घंटे बाद वह किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों को आप बीती बताई। यूपी के आजमगढ़ स्थित कमानगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक किशोरी के साथ गांव के ही दो युवकों ने गैंगरेप किया। इसके बाद किशोरी को अस्त-व्यस्त हालत में छोड़ कर फरार हो गए। किशोरी किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। लोक लाज के चलते परिजन पहले तो शांत रह गए। वहीं शनिवार को परिजनों ने थाने पर पहुंच कर तीन के खिलाफ नामजद मुकदमा पंजीकृत कराया। घटना बुधवार को हुई है थाने पर दी तहरीर के अनुसार 14 वर्षीया किशोरी बुधवार को घर से खेत की तरफ गई थी। इसी दौरान गांव के ही दो युवक उसे अगवा कर ले गए और एक निर्जन स्थान पर ले जाकर उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद अस्त-व्यस्त हाल में किशोरी को छोड़ कर दोनों मौके से फरार हो गए। काफी देर होने पर परिजन किशोरी को खोज रहे थे। काफी देर बार किशोरी अस्त-व्यस्त हाल में किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को आप बीती बताई। तीनों आरोपी दबंग किस्म के हैं। उनकी दबंगई के डर से व लोक लाज के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दिया। घटना के तीन दिन बाद शनिवार को परिजन थाने पर पहुंचे और गांव के दो युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया। नामजद किए गए आरोपियों में गोविंदा व अरून शामिल हैं। थाना प्रभारी संजय कुमार पाल ने बताया कि बुधवार को किशोरी खेत गई थी, उसी दौरान उसके साथ दो युवकों ने दुष्कर्म किया। मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है। सात घंटे तक अभियुक्तों के चंगुल में थी पीड़ितापीड़िता ने बताया कि सुबह लगभग नौ बजे अरून और गोविंदा ने उसे अगवा किया और शाम चार बजे तक अपने यहां रोक कर रखा। इसके साथ दोनों ने दरिंदगी की। सात घंटे बाद वह किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों को आप बीती बताई। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर किशोरी को मेडिकल मुआयने के लिए भेज दिया गया है। वहीं नामजद किए गये आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। -चिराग जैन, एएसपी ग्रामीण, आजमगढ़।

सरफराज की सफलता: पिता का सपना रहा अधूरा, बेटे ने किया पूरा; 12 की उम्र में तोड़ा सचिन का 21 साल पुराना रिकॉर्ड

सरफराज ने पहली बार 2009 में अपने पहले हैरिस शील्ड मैच में शानदार 439 रन बनाकर दुनिया को चौंका दिया था। महज 12 साल की उम्र में सरफराज ने 1988 से कायम सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसके बाद सरफराज को मौका मिलने में ज्यादा समय नहीं लगा।यूपी के आजमगढ़ स्थित सगड़ी तहसील के बासूपार गांव निवासी कोच नौशाद खान कभी इंडियन टीम में शामिल होने का सपना संजोए थे। जब उन्हें यह सौभाग्य नहीं मिला तो उन्होंने अपने बेटों को अपने इस सपने को पूरा करने के लिए दिन रात एक कर दिया। बड़े बेटे सरफराज ने जब टेस्ट टीम में पदार्पण किया और अनिल कुंबले ने टेस्ट कैप दी तो नौशाद की आंखों से आंसू टपक पड़े। आखिरकार उनके बेटे ने उनके सपने को पूरा कर दिया। सरफराज खान, मुंबई के प्रतिभावान बच्चों की एक लंबी सूची का हिस्सा थे, जिन्होंने 17 साल की उम्र में लोगों को अपनी प्रतिभा से परिचय कराया। नवीन बल्लेबाजी शैली के लिए जाने वाले सरफराज ने 2014 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया। 2014 और 2016 विश्व कप में खेलने वाली भारतीय अंडर-19 टीमों का हिस्सा थे। सरफराज ने पहली बार 2009 में अपने पहले हैरिस शील्ड मैच में शानदार 439 रन बनाकर दुनिया को चौंका दिया था। महज 12 साल की उम्र में सरफराज ने 1988 से कायम सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसके बाद सरफराज को मौका मिलने में ज्यादा समय नहीं लगा। मुंबई अंडर-19 टीम में और वहां उनके प्रदर्शन के कारण उन्हें भारत की अंडर-19 टीम में जगह मिली। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सरफराज ने अंडर-19 विश्व कप में 70.75 की शानदार औसत से 566 रन बनाए। उनके पास अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में सर्वाधिक अर्द्धशतक का अनोखा रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने दो संस्करणों में सात अर्द्धशतक लगाए हैं। आईपीएल खेल में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के सरफराज खान को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2015 की नीलामी में शामिल किया था। उन्होंने 21 राजस्थान रॉयल्स की ओर से 45 रनों की नाबाद पारी खेलकर प्रसिद्धि हासिल की। 2016 में फिटनेस की कमी के कारण उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया था। अगले वर्ष, पैर में चोट लगने के कारण वह आईपीएल से चूक गए। 2018 में सरफराज का प्रदर्शन काफी खराब था और इसके कारण आरसीबी प्रबंधन को 2019 सीज़न से पहले उन्हें रिलीज़ करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद वह किंग्स इलेवन पंजाब और दिल्ली कैपिटल से जुड़े। सरफराज ने रणजी मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दी। लेकिन यह मौका उन्हें देर से मिला। जब यह मौका उन्हें मिला तो उन्होंने दोनों हाथों से भुनाते हुए पहले ही टेस्ट मैच में अर्द्धशतक जड़ दिया।

सपा को लगेगा तगड़ा झटका! करीब आधा दर्जन विधायक भाजपा में शामिल होने की तैयारी में

समाजवादी पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। राज्यसभा चुनाव के पहले पार्टी के करीब आधा दर्जन विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यूपी में राज्यसभा चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। पार्टी के करीब आधा दर्जन विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक सपा के राष्ट्रीय महासचिव और विधायक इंद्रजीत सरोज के साथ पांच-छह विधायक पाला बदल सकते हैं। ये सभी विधायक राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में वोट डाल सकते हैं। हालांकि इस बारे में इंद्रजीत सरोज का पक्ष जानने के लिए फोन किया, पर उनका नंबर स्विच ऑफ था।इसके पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी राज्यसभा के उम्मीदवारों पर नाराजगी जताते हुए वोट न करने का एलान किया था। पल्लवी पटेल कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुई हैं। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने से इन्कार किया है।

इसके पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी राज्यसभा के उम्मीदवारों पर नाराजगी जताते हुए वोट न करने का एलान किया था। पल्लवी पटेल कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुई हैं। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने से इन्कार किया है। बीते दिनों रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के भाजपा में शामिल होने से पहले सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया था कि जल्द ही सपा में भी टूट हो जाएगी और कई विधायक भाजपा में शामिल हो जाएंगे। वहीं, राज्यसभा के चुनाव में भाजपा ने आठवां उम्मीदवार उतार दिया है जिसके बाद से सपा विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग होना तय माना जा रहा है।

मजदूरी करने वाले व्यक्ति के नाम पर फम... सालाना टर्नओवर 25 करोड़ रुपये

पीलीभीत के गांव जगीपुर-जैतपुर निवासी रघुवीर सिंह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। शुक्रवार को उनके घर जीएसटी की टीम पहुंची। टीम ने उन पर साढ़े चार करोड़ रुपये जीएसटी बकाया बताया। यह सुनकर रघुवीर के होश उड़ गए। पीलीभीत के बरखेड़ा क्षेत्र में हैरान करने ने जगीपुर-जैतपुर निवासी मजदूर को दिया। मजदूर के नाम फर्म बनाकर टर्नओवर कर लिया। वाणिज्यकर मजदूर को इसका पता चला। उसका कहना है कि वह मजदूरी पेशा नहीं देखी है। पीड़ित ने पुलिस से गुहार सिंह ने बरखेड़ा थाने में दी तहरीर में हैं। करीब डेढ़ वर्ष पहले वह काम करने नौकरी का झांसा देकर एक अनजान

वाला मामला सामने आया है। जालसाजों 4.5 करोड़ रुपये का बकायादार बना करीब सालाना 25 करोड़ रुपये का विभाग की टीम जांच करने पहुंची तो बकायेदारी जानकर मजदूर के होश उड़ गए। व्यक्ति है। उसने इतनी रकम तो सपने में भी लगाई है। जगीपुर-जैतपुर निवासी रघुवीर बताया कि वह पेशे से मजूदर और भूमिहीन के लिए रुद्रपुर और नोएडा गए थे। वहां व्यक्ति ने उसके सभी कागजात जमा करा लिए थे। शुक्रवार को वाणिज्यकर टीम (जीएसटी) गांव पहुंची और उसके नाम बनी फर्म से करीब 25 करोड़ रुपये के टर्नओवर की जानकारी दी। टीम ने बताया कि उन पर 4.5 करोड़ रुपये जीएसटी बकाया है। यह सुनकर रघुवीर के पैरों तले जमीन खिसक गई। पल्ला झाड़ रही थाना पुलिस - रघुवीर ने उसके नाम पर फर्म बनाकर धोखाधड़ी करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में तहरीर दी। कहा कि किसी ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। असिस्टेंट कमिश्नर संजय भटनागर ने बताया कि फर्म रघुवीर के नाम से ही है। दस्तावेजों पर उनका फोटो भी लगा है। अगर किसी ने इनके साथ धोखाधड़ी की है तो वह बरेली कार्यालय जाएं और वहां जाकर अपनी समस्या बता दें। उधर, थाना पुलिस रुद्रपुर का मामला बताकर पल्ला झाड़ रही है।

BKU की पंचायत में बड़ा निर्णय: 'आंदोलन में टिकैत परिवार के एक सदस्य को खानी होगी गोली, हम पीछे नहीं हटेंगे'

मुजफ्फरनगर के सिसौली में हुई भाकियू की पंचायत में बड़ा निर्णय हुआ है। इसके अलावा राकेश टिकैत ने कहा कि किसान आंदोलन में टिकैत परिवार के एक सदस्य को गोली खानी होगी। उन्होंने कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे मुजफ्फरनगर के सिसौली गांव में आयोजित की गई भाकियू की पंचायत में 21 फरवरी को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन का एलान किया गया है। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि हरियाणा और पंजाब में गलत हुआ। हम सब किसान एक हैं। संयुक्त किसान मोर्चा को प्रस्ताव भेजा जाएगा कि 26 और 27 फरवरी को हरिद्वार से गाजीपुर तक किसान अपने-अपने गांव के बाहर हाईवे पर ट्रैक्टरों के मुंह दिल्ली की ओर खड़े करके विरोध करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने 14 मार्च को दिल्ली में धरने का एलान पहले ही कर रखा था। अब किसान कभी भी कूच कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन में टिकैत परिवार के एक सदस्य को गोली खानी होगी। कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे। टिकैत परिवार एक कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। पंजाब में जोर पकड़ रहे किसान आंदोलन का असर अभी तक पश्चिम उत्तर प्रदेश में कम दिखा है। संयुक्त किसान मोर्चा के पिछले आंदोलन में अगुवाई कर चुकी भाकियू ने रुख तय करने के लिए आज यानी शनिवार को सिसौली में पंचायत आयोजित की। इस पंचायत में पांच राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ मंत्रणा कर रणनीति तय की गई। आंदोलन के हरियाणा पहुंचते ही पश्चिम यूपी के किसान भी बॉर्डर पर डट सकते हैं। सिसौली में काफी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता और पांच राज्यों से पदाधिकारी पहुंचे। मंच से ये हुए एलान- पंचायत में किसानों को संबोधित करते हुए भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि देश में रोटी पर कब्जे की तैयारी है। देश में भूख के आधार पर रोटी की कीमत तय होगी। उन्होंने मच से 21 फरवरी को जिला मुख्यालय पर ट्रैक्टर मार्च का भी एलान किया। पंचायत में तय हुआ कि 26 और 27 फरवरी को हरिद्वार से लेकर दिल्ली तक किसान अपने-अपने गांव के बाहर हाईवे पर ट्रैक्टर दिल्ली की तरफ मुंह कर खड़े करेंगे। इस दौरान हाइवे वन वे किया जाएगा। यह प्रस्ताव संयुक्त किसान मोर्चा को भेजा जा रहा है। पिछली बार तीन कृषि कानूनों के विरोध में गाजीपुर बॉर्डर पर भाकियू ने मोर्चा संभाला था। 26 जनवरी के बाद बिखरते किसान आंदोलन को संजीवनी भी गाजीपुर बॉर्डर से ही मिली थी। 28 जनवरी की रात भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के आंसुओं ने आंदोलन में दोबारा जान डाल दी थी। इस बार पंजाब के किसानों ने फिर से दिल्ली का रुख किया। पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान पंजाब और हरियाणा में बदल रहे माहौल पर निगाह रखे हुए हैं। किसानों का कहना है कि सरकार को बातचीत के जरिए ही समस्या का समाधान निकालना चाहिए। शंभू सीमा पर हुए टकराव के बाद किसानों के बीच नाराजगी बढ़ी है। लेकिन अभी तक दिल्ली चलो पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। ऐसे माहौल में लोगों की निगाह भाकियू पर भी टिकी है। भाकियू टिकैत ने इस बार मासिक पंचायत सिसौली के किसान भवन पर बुलाई है। भाकियू नेता गौरव टिकैत ने बताया कि पंजाब, यूपी, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड के संगठन के प्रमुख प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया है। किसान आंदोलन पर संगठन की निगाह टिकी है। सिसौली की मासिक पंचायत में ही सर्वसम्मति से निर्णय किया जाएगा। तीसरे दौर की बातचीत पर भी निगाह- पंजाब में किसानों और सरकार के बीच दो दौर की बातचीत हो चुकी है। तीसरे दौर में रविवार शाम छह बजे बैठक की तैयारी है। तीसरे दौर की बातचीत से पहले आज भाकियू की पंचायत है। ऐसे में यह भी संभव है कि तीसरे दौर की बातचीत के बाद ही संगठन किसी अगले कदम का एलान करें। मुद्दे वही, मोर्चे बनाए गए अलग-अलग- पिछला किसान आंदोलन संयुक्त किसान मोर्चा ने दिल्ली की सीमा पर किया था। भाकियू टिकैत भी संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा है। इस बार पंजाब के किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा अराजनैतिक के बैनर तले आंदोलन शुरू किया है। हालांकि दोनों के मुद्दे एमएसपी की गारंटी और स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट ही हैं। किसानों पर दर्ज पुलिस केस वापस लेने जैसी मांगों पर सहमति बन चुकी है। दूसरे मोर्चा में होने के चलते भाकियू में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हरियाणा में आंदोलन शुरू तो बढ़ेगी मुश्किलें- आंदोलन का असर अभी तक पंजाब में अधिक है। हरियाणा में किसान आंदोलन के मैदान में नहीं उतरे। पंजाब से सटे अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा और डबवाली में जरूर किसान संगठन अलर्ट मोड़ पर है। अगर पंजाब के किसान हरियाणा से होते हुए दिल्ली की सीमा पर पहुंचे तो पश्चिम यूपी में किसान मोर्चा संभाल सकते हैं। मेरठ से पहुंचे कार्यकर्ता, टोल कराया फ्री- सरधना से भारतीय किसान यूनियन की राष्ट्रीय मासिक पंचायत में शामिल होने कार्यकर्ता पहुंचे हैं। मेरठ जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी के नेतृत्व में दर्जनों निजी कारों में सवार होकर सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी व किसान भुनी टोल पलाजा पर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए रवाना हुए। इस दौरान टोल प्लाजा को भाकियू कार्यकर्ताओं ने फ्री करा दिया और हाईवे पर भी जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं को समझाते हुए एकत्रित करकर रवाना किया।

पेट्रोल पंप संचालकों ने बंद किया पेटीएम से ट्रांजेक्शन, हटाए क्यूआर कोड; लोग परेशान

बरेली में मालियों की पुलिया, नॉवेल्टी चौराहा, पीलीभीत बाईपास समेत अन्य इलाकों के पेट्रोल पंप जो ईंधन भरवाने वाले उपभोक्ता से पेटीएम क्यूआर कोर्ड से डिजिटल भुगतान ले रहे थे, उन्होंने अब यह सेवा बंद कर दी है।डिजिटल ट्रांजेक्शन प्लेटफार्म पेटीएम के बंद होने के असमंजस और देरी से बैंक में हो रहे पेमेंट से बरेली के कई पेट्रोल पंप संचालकों ने ऑनलाइन पेमेंट व्यवस्था बंद कर दी है। पंप पर लगे क्यूआर कोड हटाकर पहले की तरह कार्ड स्वैप से भुगतान ले रहे हैं। मालियों की पुलिया, नॉवेल्टी चौराहा, पीलीभीत बाईपास समेत अन्य इलाकों के पेट्रोल पंप जो ईंधन भरवाने वाले उपभोक्ता से पेटीएम क्यूआर कोर्ड से डिजिटल भुगतान ले रहे थे, उन्होंने अब यह सेवा बंद कर दी है। क्यूआर कोड पंप से हटा दिए गए हैं। लिहाजा, अन्य कोई डिजिटल ट्रांजैक्शन की व्यवस्था यानी किसी बैंक का यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) न होने की वजह से फिलहल ऑनलाइन भुगतान की आस लेकर पेट्रोल, डीजल भरवाने पंप पर पहुंच रहे लोग निराश हो रहे हैं। एटीएम कार्ड न होने पर नगद भुगतान को कहा जा रहा है। नगद रुपये न होने पर ईंधन देने से इनकार कर रहे हैं। वहीं जो पूर्व में पेट्रोल पंप से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कर चुके थे, वे पूर्व के क्यूआर पर भुगतान कर रहे हैं। लिहाजा, नोकझोंक हो रही है। स्टाफ को प्रत्येक उपभोक्ता को ऑनलाइन सेवा बंद होने की जानकारी देने को कहा गया है। कई घंटे बाद बैंक में ट्रांसफर हो रहे रुपये- मालियों की पुलिया पेट्रोल पंप संचालक राशु अग्रवाल के मुताबिक चार दिन पहले तक पेटीएम यूपीआई से भुगतान ले रहे थे। लेकिन सप्ताह भर से क्यूआर से पेमेंट होने पर रुपये कई घंटे बाद बैंक में पहुंच रहा था। लिहाजा, भुगतान अटकने की आशंका से ऑनलाइन भुगतान बंद किया है।

अयोध्या में 10 करोड़ रुपये से अधिक का होगा निवेश, 20 हजार से ज्यादा युवाओं को मिलेगा रोजगार

रामनगरी अयोध्या निवेशकों को आकर्षित कर रही है। नगर में होने वाले निवेश से करीब 20 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा की तरफ से यहां तीन हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा।रामनगरी अयोध्या! जनवरी में यहां 500 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई और श्रीरामलला अपने नव्य-भव्य व दिव्य मंदिर में विराजमान हो गए। अब 19 से 21 फरवरी के मध्य होने वाले ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के जरिए योगी सरकार यहां के लगभग 20 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगी। रामनगरी निवेशकों को आकर्षित कर रही है।

19 फरवरी को होने वाले जीबीसी में यहां 10155.79 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावित हैं। पर्यटन के क्षेत्र में यहां 3129 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यहां सर्वाधिक तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप की तरफ से किए जाने की तैयारी है। 19 फरवरी को होने वाले जीबीसी 4.0 के तहत प्रस्तावित निवेश व रोजगार सृजन- विभाग -- प्रस्तावित निवेश -- रोजगार सृजन आवास -- 3409 करोड़ -- 535 पर्यटन -- 3129 करोड़ -- 6396 पशुपालन -- 14 करोड़ -- 93 आयुष -- 15 करोड़ -- 100 सहकारिता -- 57.37 करोड़ -- 100 दुग्ध विकास -- 150 करोड़ -- 285 ऊर्जा के अतिरिक्त स्त्रोत विभाग -- 107 करोड़ -- 50 चिकित्सा शिक्षा विभाग -- 48.15 करोड़ -- 327 एमएसएमई -- 189 करोड़ -- 1775 वन विभाग -- 575 करोड़ -- 675 उच्च शिक्षा विभाग -- 505 करोड़ -- 630 उद्यान विभाग -- 445 करोड़ -- 6200 आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग -- 100 करोड़ -- 500 तकनीकी शिक्षा -- 113 करोड़ -- 598 ,यूपीसीडा -- 1230 करोड़ -- 1320 ,माध्यमिक शिक्षा -- 70 करोड़ -- 200 अयोध्या में निवेश करने वाले टॉप 10 प्रोजेक्ट प्रोजेक्ट -- निवेश -- रोजगार द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा -- 3000 करोड़ -- 100 पक्का लिमिटेड -- 550 करोड़ -- 600 ,क्रिसेंडो इंटीरियर्स -- 500 करोड़ -- 100 महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय -- 480 करोड़ -- 480 अमृत बॉटलर्स प्राइवेट लिमिटेड -- 250 करोड़ -- 200 भारद्वाज ग्लोबल इंफ्रावेंचर्स प्रा. लि. (ताज ग्रुप होटल) -- 176.26 करोड़ -- 100 सिबॉन टेक्नोलॉजिस लिमिटेड यूके -- 175 करोड़ -- 50 ,श्रीराम कृपा होटल्स प्रा. लि. (मैरियट ग्रुप) -- 155 करोड़ -- 150 पनास ड्रीम वर्ल्ड एलएलपी -- 143 करोड़ -- 178 पीईसीएस इंफ्रा प्रा. लि. -- 107 करोड़ -- 50

सिपाही भर्ती परीक्षा: मैनपुरी में द्वितीय पाली में भी पकड़ा गया फर्जी अभ्यर्थी, दोनों बिहार के रहने वाले हैं

मैनपुरी में सिपाही भर्ती परीक्षा में द्वितीय पाली में भी फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया। इससे पहले पहली पाली में भी एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया था। दोनों बिहार के रहने वाले हैं। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की द्वितीय पाली में भी एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया। इसे जांच के दौरान एएसपी ने पकड़ लिया। यह भी बिहार की ही रहने वाला है। इससे पहले पहली पाली में भी एक फर्जी अभ्यर्थी पकड़ा गया है, जो बिहार का रहने वाला है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दूसरी पाली में शहर के क्रिश्चियन स्कूल में परीक्षा देने पहुंचे सॉल्वर गैंग के दूसरे सदस्य को भी चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। एएसपी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम मुनरक कुमार निवासी अंजता फ्लैट थाना भूतनाथ पटना बिहार बताया। उसने बताया कि वह औंछा क्षेत्र के गांव चीतई निवासी पंकज कुमार के स्थान पर परीक्षा देने के लिए आया था। इसके लिए उसे अच्छी खासी रकम भी दी गई थी। पुलिस पकड़े गए दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है। मैनपुरी में शनिवार को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में बिहार का सॉल्वर गैंग सक्रिय नजर आया। चेकिंग के दौरान पहली और दूसरी पाली में एएसपी राहुल मिठास ने सॉल्वर गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार किए। पकड़े गए दोनों आरोपी बिहार के रहने वाले हैं। यह कुरावली और औंछा थाना क्षेत्र के रहने वाले युवकों के स्थान पर परीक्षा देने आए थे। पूछताछ करने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे पहले पहली पाली में एएसपी राहुल मिठास को सूचना मिली कि मैनपुरी के करहल रोड स्थित ब्लूमिंग बड्स स्कूल में एक संदिग्ध परीक्षार्थी मौजूद है। इस सूचना पर एएसपी ने मौके पर पहुंच कर संदिग्ध से पूछताछ की। पहले तो वह अपना नाम अंशुल सिंह निवासी मोहल्ला कानूनगोयान कुरावली बताता रहा। लेकिन, जब अधिकारी ने सख्ती से पूछताछ की तो सच बोलना शुरू कर दिया। उसने बताया कि वह अंशुल की जगह परीक्षा देने के लिए आया था। उसका नाम अमित कुमार निवासी इब्राहिमपुर पटना बिहार है। कुरावली पुलिस ने अंशुल की तलाश के लिए घर पर दबिश दी, लेकिन व नहीं मिला। एएसपी राहुल मिठास ने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान दूसरे की परीक्षा देने आए दो मुन्ना भाई पकड़े गए हैं। उनसे गहनता के साथ पूछताछ की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बदमाश से हुई पुलिस की मुठभेड़, पैर में लगी गोली, हालत गंभीर, अलीगढ़ मेडिकल के लिए रेफर

बदमाश आगरा-अलीगढ़ बाईपास से होते हुए शहर की ओर आ रहा है। सूचना पर तुरंत ही पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी कर दी। पुलिस को देख बदमाश ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें एक गोली बदमाश के पैर में जा लगी। इससे वह घायल हो गया और जमीन गिर गया। हाथरस कोतवाली सदर पुलिस की 16 फरवरी की देर रात गांव नहरोई से शहर आने वाले आगरा-अलीगढ़ बाईपास पर चेन स्नेचिंग के असफल प्रयास के आरोपी बदमाश से मुठभेड़ हो गई। बचाव में पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश को पुलिस द्वारा उपचार के लिए बागला संयुक्त जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बाइक, तमंचा व जिला कारतूस बरामद किए हैं।कोतवाली सदर क्षेत्र मुरसान गेट स्थित ग्रामीण बैंक के पास से 9 फरवरी को बाइक सवार बदमाशों ने एक वृद्धा से चेन स्नेचिंग का प्रयास किया था।

वृद्धा द्वारा इस का विरोध किया था। जिससे वह नीचे गिर गई थी। बदमाश चेन लूटने में असफल रहे थे और फरार हो गए थे। 16 फरवरी की देर रात कोलवाली सदर पुलिस को सूचना मिली की गांव नहरोई से एक बदमाश आगरा-अलीगढ़ बाईपास से होते हुए शहर की ओर आ रहा है। सूचना पर तुरंत ही पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी कर दी। पुलिस को देख बदमाश ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें एक गोली बदमाश के पैर में जा लगी। इससे वह घायल हो गया और जमीन गिर गया। आनन-फानन पुलिस घायल बदमाश को लेकर बागला संयुक्त जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचीं। जहां उसकी हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उसे उपचार के लिए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी होने पर एसपी निपुण अग्रवाल व सीओ सिटी रामप्रवेश राय भी मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान बदमाश ने अपना नाम ओम प्रकाश पुत्र हरीमोहन निवासी संगम बिहार कॉलोनी विकास नगर धनोली थाना मलपुरा जिला आगरा बताया है। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से पुलिस ने एक अपाचे बाइक, तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में अधिवक्ताओं के पैनल को मांगे आवेदन, 23 फरवरी तक होंगे जमा

अलीगढ़ के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में अधिवक्ताओं के पैनल के लिए आवेदन मांगे गए हैं। अधिवक्ता आवेदन पत्र का प्रारूप जिला न्यायालय अलीगढ़ की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। उसके साथ में जरूरी दस्तावेज लगाकर कार्यालय में 23 फरवरी तक जमा कर सकते हैं या पोस्ट से भेज सकते हैं। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नि:शुल्क और सक्षम कानूनी सेवायें) विनियम-2010 के अनुपालन में आमजन या पीड़ित को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीगढ में अधिवक्ताओं का पैनल बनाया जाना है, जिसके लिये अधिवक्ताओं से 23 फरवरी तक आवेदन मांगे गए हैं। अपर जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव दिनेश कुमार नागर ने बताया कि ऐसे अधिवक्ता जिनके पास न्यायालय में कम से कम तीन वर्ष का अनुभव हो, आवेदन पत्र का प्रारूप जिला न्यायालय अलीगढ़ की वेबसाइट www.districts.ecourts.gov.in/ Aligarh ÂÚU Recruitment ऑप्शन पर क्लिक करके डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों व प्रमाण पत्र व अन्य आवश्यक अभिलेखों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियां, पासपोर्ट साइज की दो फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, स्थायी निवास प्रमाण पत्र की सत्यप्रतिलिपि लगाने होंगे। विधिक सेवा प्राधिकरण, अलीगढ के कार्यालय में 23 फरवरी की सायं पांच बजे तक स्वयं जमा कर सकते हैं या डाक से भेज सकते है।

Not only taste, there is also a treasure of health hidden in these 5 Indian spices!

Indian spices are famous all over the world. Apart from taste, they are also very beneficial from health point of view. By using these you can get relief from acidity, constipation and indigestion. Let us tell you that if they are consumed properly, many of your health related problems can be solved. Let us know about five such Indian spices. Indian cuisine is famous all over the world for its spices. These spices have a special contribution in bringing flavor and color to the food. These spices, easily available in the kitchen, provide many benefits to health. India is a country known for its spices. The spices here are in great demand all over the world. Without these, the taste of your plate remains bland. Let us tell you, not only for taste, these spices are also very important from health point of view. These spices easily available in the kitchen may seem simple to you, but they can prove to be very beneficial for your digestive system. Let's know their benefits. Asafoetida - If you are also troubled by acidity and sour belching, then consumption of asafoetida can prove to be very beneficial for this. This asafoetida proves helpful for indigestion, acidity and all types of stomach related problems. Anti-inflammatory properties are found in it, which are very effective for treatment. Cinnamon - If you often complain of gas or indigestion, then consuming cinnamon in tea or food is very beneficial. This naturally strengthens your digestive system and the taste of food also doubles. Consumption of celery is also beneficial for all types of stomach related problems. It is considered very effective in curing gas and acidity. Thymol oil present in it releases gastric juice which provides relief in acidity. It is easily available in every kitchen. Without cumin seeds, the taste of any dish remains bland. It is included in most of the dishes in Indian food. You can also dry roast it on gas and eat it with hot water. At the same time, consuming it early in the morning on an empty stomach improves digestion. Ginger-Consumption of ginger is considered very important to strengthen the digestive system. It is also very useful in providing relief from problems like flatulence or bloating. It also works like a panacea for cold and cough.

These unknown forts of MP are very beautiful, definitely visit them once.

Madhya Pradesh, the state called the heart of India, has many such beautiful places which people from far and wide come to the state to see. This state, full of natural beauty, is also known for its historical places. There are many beautiful forts here about which very few people know. Let us know about some such forts - Madhya Pradesh, the heart of India, is very famous for its tourism. There are many beautiful places worth visiting here, which people come from far and wide to see. There are many forts in the state, which are very beautiful, but very few people know about them. India is known all over the world for its rich history. There are many such historical buildings here, which give you a chance to peek into the history of the country. India, famous for its traditions and culture, is a major tourist destination across the world. There are many such beautiful places here, to see which people not only from the country but also from abroad come here. Here every state has its own distinct culture, which attracts people towards itself. Madhya Pradesh is one such state of India, which is also called the heart of India. This state is special in many ways. People from far and wide reach Madhya Pradesh to see the beauty here. This state, full of natural beauty, is also known for its historical heritage. There are many beautiful forts here, which are also quite famous. However, there are some forts here which, despite being very beautiful, remain unknown. In such a situation, today in this article we will know about some such forts of Madhya Pradesh - Ginnaurgarh Fort - Very few people would know about Ginnaurgarh Fort, located near the state capital Bhopal. That is why it is one of the lesser-known but attractive forts of the state. Built by the ruler of the Gond dynasty, this fort is not only a historical monument but also known as a picnic spot.Devgarh Fort-Devgarh Fort is another beautiful fort of the state, which was built by Rawat Dwarkadas of the Sisodia dynasty. Built in the 17th century, this fort has 200 spacious rooms and also some wells and tanks. This fort is known for its magnificent wall art and carvings. Datia Fort - Everyone would know about Gwalior Fort, but you might have heard the name of Datia Fort, located about 80 km away from Gwalior. This fort is also known as Bir Singh Dev Mahal. Here you will find beautiful architecture and exquisite carvings and rich paintings. This fort is a wonderful blend of Indian and Mughal styles. Orchha Fort – One of the famous places of the state, Orchha is famous for many reasons. Not only does this place have religious importance because of its association with Lord Shri Ram, the city is also famous for the fort present here, which is a major tourist attraction here. It contains many hidden passages, winding staircases and murals.

Bacteria present in the gut can protect against respiratory diseases, know how you can take care of gut health.

The cases of respiratory diseases increase significantly during the cold season due to which one has to face a lot of problems. A recent study has revealed a connection between gut health and respiratory diseases. In this study it was found that a special type of bacteria can help in fighting respiratory infections. Know what was discovered in this study. Due to the presence of SFB bacteria in the gut, respiratory diseases can be avoided. This study has been done on rats, in which this bacteria was inserted into their gut. Human trials of this study have not been done yet. The risk of respiratory diseases increases significantly in the winter season. Also, the risk of these diseases increases significantly at the beginning or end of winter. Now that winter has gradually started subsiding, the cases of these diseases have started increasing. Due to low temperatures, the risk of viral and bacterial infections is much higher. Diseases like flu, pneumonia can cause many problems related to lungs, which include problems like difficulty in breathing, phlegm, cough etc. A recent study has revealed a connection between gut bacteria and respiratory diseases. What was found in the study? In this study, a research has been done on rats, in which it was found that due to the presence of a special type of bacteria in the gut, viral respiratory diseases can be reduced. For this study, segmented filamentous bacteria (SFB) were introduced into the intestines of rats. During the study, mice were infected with both viruses to see the effect of RSV and SARS-CoV-2, which causes COVID-19. During this time, it was observed that in the mice in which SFB bacteria were not present, alveolar macrophages were quickly destroyed. Whereas in the mice in which these bacteria were found, the macrophages present in the alveoli destroy those viruses without activating the inflammatory reaction of the immune system. If this study is effective on humans also, then it will help in preventing these diseases. For this, prevention can be done by giving SFB bacteria in the form of supplements. However, by taking care of some things, you can keep your gut microbiome healthy. What is the gut microbiome? - According to the Cleveland Clinic, there are many micro-organisms present in the gut, which include many bacteria, fungi, viruses and parasites, which apart from the digestive process, affects many other parts of the body. This is a symbiotic relationship, in which microbes get food and space to live, and in return they help you in many essential body functions. Therefore, it is very important to keep the gut microbiota healthy. How to keep gut health better? Probiotics-Probiotics contain healthy bacteria, which help in keeping the gut microbiome healthy. Therefore, include food items rich in probiotics like curd, kefir, kimchi, pickles etc. in your diet. These are fermented foods, which are very beneficial for gut health. Do not take anti-biotics without doctor's advice - Antibiotics also harm the good bacteria present in the body, due to which gut health is affected. it occurs. Therefore, do not take anti-biotics without consulting a doctor. Eat fiber-rich food – Fiber is very beneficial for digestion. For this reason, include fiber-rich food items, such as whole grains, etc. in your diet. This also relieves problems like constipation, which benefits gut health. Eat less sugar - Due to excess sugar in food, the amount of good bacteria in the gut starts decreasing and bad bacteria increase, due to which the gut microbiome gets affected. There may be an imbalance. Therefore, control the amount of sugar in food. Manage stress – Due to excess stress, the gut microbiome gets affected a lot. For this reason stress management is very important. Therefore take help of meditation, yoga, breathing exercises etc.

The mystery deepens over the claim of Poonam Pandey's death, was cervical cancer really the cause of death?

Poonam Pandey Died: The news of actress Poonam Pandey's death is currently a topic of discussion. People cannot believe Poonam's death due to cervical cancer. In such a situation, the sudden demise of Poonam Pandey has become a mystery. Meanwhile, the news related to her death is coming out which is deepening this mystery even more. Was cervical cancer the reason for Poonam's death? There is no movement at the actress' Mumbai house for two days, no information about the last rites. The name of actress Poonam Pandey, who is in the news for some controversy or the other, has been in the headlines throughout the day. On Friday morning, a post was shared on her Instagram handle claiming that Poonam has left this world. In this post, the cause of death of the 32 year old actress has been attributed to cervical cancer, but no one is commenting on her sudden demise. Can't believe it. Meanwhile, such news is coming out regarding the death of Poonam Pandey, which is further adding to the mystery of her death. Was cervical cancer the reason for Poonam's death? On February 2, information about her death was given on the official Instagram handle of Poonam Pandey and it was told that she is no more in this world.

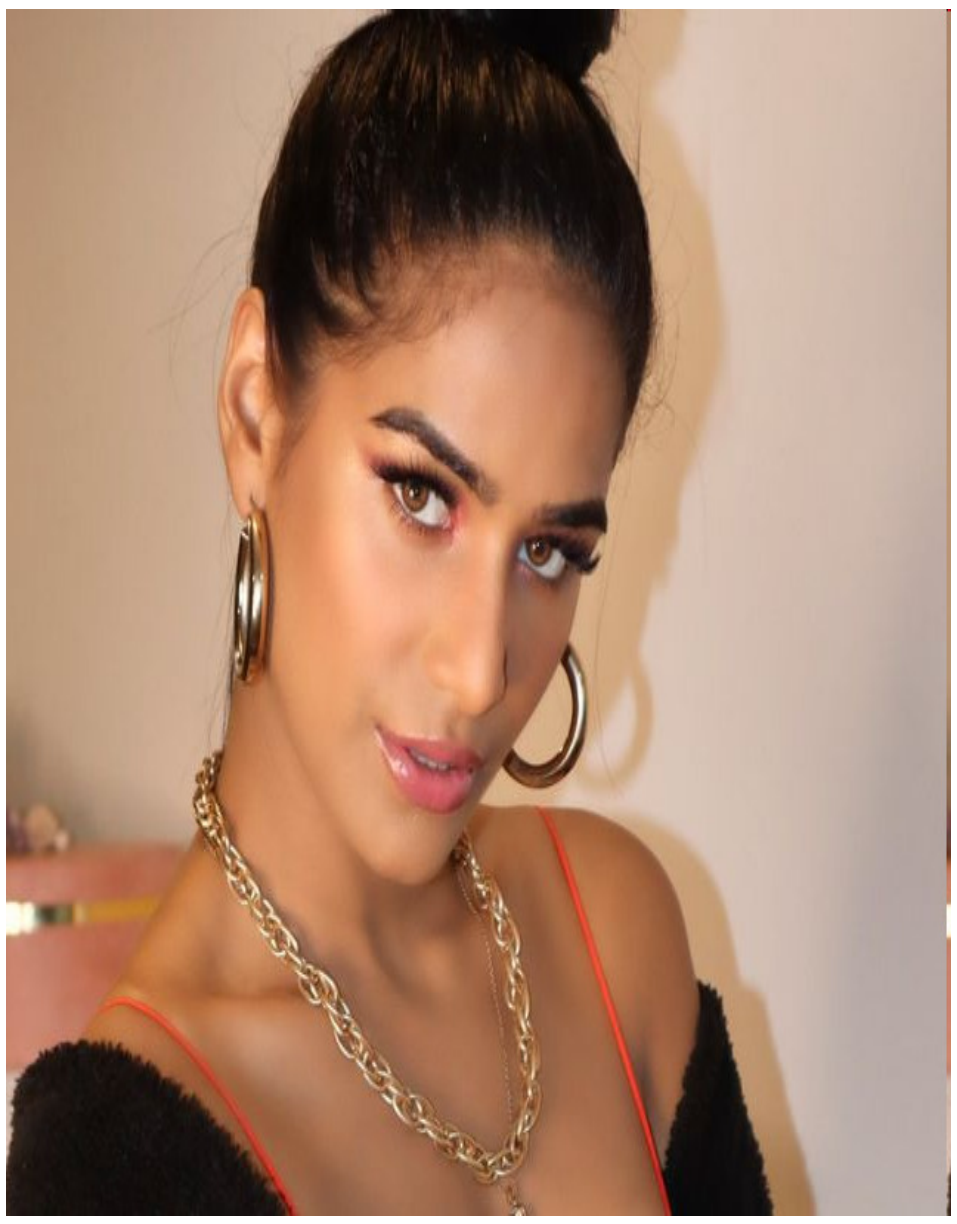

In this post, the cause of death of the actress was stated to be cervical cancer. Meanwhile, now many important information has been given in the report of news agency IANS regarding the death of Poonam Pandey. According to the information, there has been no movement at the house of the actress in The Park Society of Oshiwara, Mumbai, where she lived, for the last two days. Along with this, when her team got information about the death from Poonam's family, they Later, when the actress's manager tried to contact her family again, her number was switched off. Due to which, somewhere the mystery over Poonam Pandey's death is deepening. Apart from this, TV actress and Poonam's friend Sambhavna Seth has also told in a media interview - She has met Poonam Pandey only a few days ago and she is fine. She was looking fine, it did not seem like she was suffering from cervical cancer or having any kind of problem. No information about the last rites - After the news of Poonam Pandey's demise came out in the morning, it is already evening and no update related to the last rites of the actress is coming out. Poonam, who gives every update on social media every day, never gave any information about cervical cancer, in such a situation questions are being raised whether she was really suffering from this serious disease or the reason for her death was something else. Is.

When Jitendra was overshadowed by Amitabh Bachchan-Dharmendra, gave this special 'gift' at the box office 40 years ago

Tohfa 40th Years: Veteran actor Jitendra has done many movies during his film career. But if we discuss any one great film of his career, Tohfa's name will definitely be included in it. The film Tohfa is going to complete 40 years of its release. In such a situation, today it will be mentioned in the hit movies, superhit tales. Tohfa was a great film of Jitendra's career - Tohfa was successful at the box office - this film was a remake of Jitendra's movie. Till the 80s, many people like Amitabh Bachchan, Rajesh Khanna and Dharmendra The artist had completely established himself in Hindi cinema. In that period, the films of these artists were very popular. But on the other hand, Jitendra was the actor who left these superstars behind through his film Tohfa in the year 1984. Jitendra's cult movie Tohfa was released 40 years ago. In such a situation, on the special occasion of completion of 40 years of this movie, hit films, superhit tales will be talked about and some unheard facts of the film will also be highlighted. Tohfa: The great film of Jeetendra's career - South cinema's veteran filmmaker K Raghavendra Rao made the film Tohfa. Apart from Jitendra, actors like Jaya Prada, Sridevi and Shakti Kapoor were present in lead roles in this movie. The film story is about the love of two sisters Lalita (Sridevi) and Janaki Prada. Both of them are in love with the same boy named Ram (Jeetendra). The special thing is that Lalita and Ram already love each other and when Lalita comes to know that her sister Janaki also loves Ram, she sacrifices her love and Kamlesh (Shakti Kapoor). However, there are many twists and turns in the story of this love triangle romantic film, which make this movie even more interesting. Tohfa's name occupies the first position among the most brilliant movies of the career of these actors. Tohfa was successful at the box office. The story of the romantic and emotional drama film Tohfa was liked so much by the audience that this film proved to be a superhit. Tohfa, one of the classic films of Bollywood, made a home in the hearts of the fans so much that the discussion about this film continued for many years. Due to its excellent performance in terms of earnings,

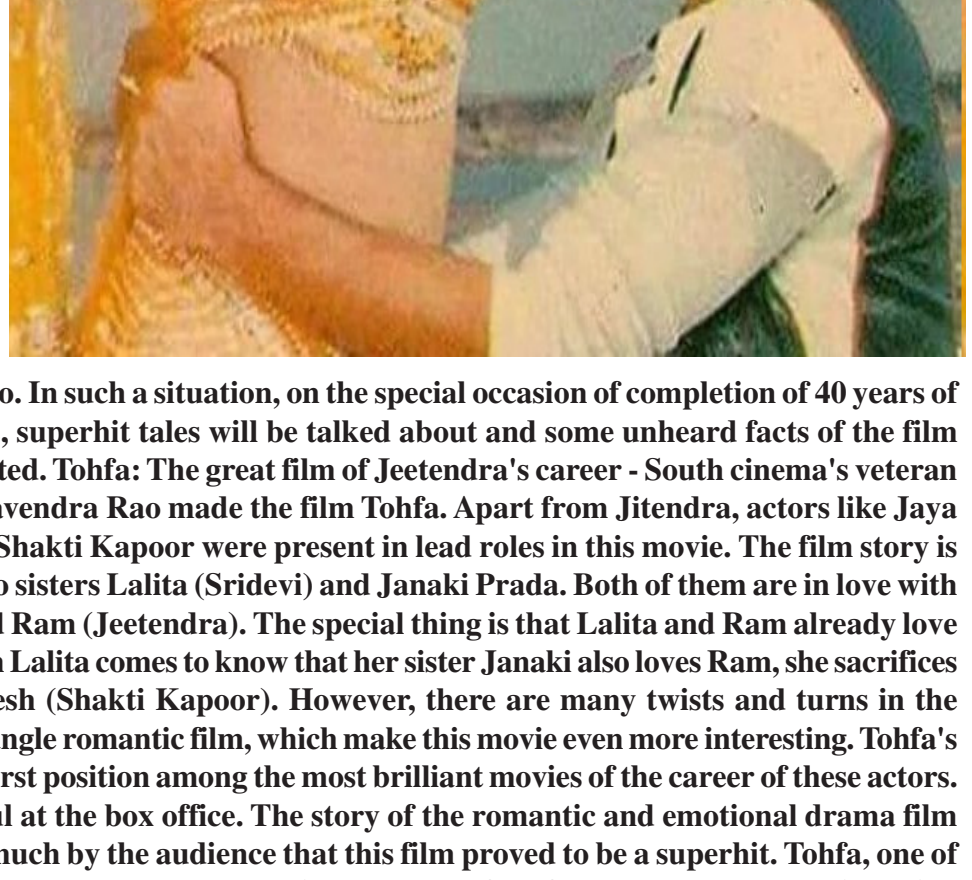

Tohfa became one of the highest-grossing films of 1984. During this time, the film had left behind Dharmendra's Rajtilak-Dharma Aur Kanoon, Amitabh Bachchan's Sharabi and Rajesh Khanna's Mokal. However, Jitendra was also present in the lead role for the purpose. Jitendra's movie was a remake of this film - If we tell you that Jitendra's Tohfa was a remake of a film, then you might not believe it. But it is true that Tohfa was the official Hindi remake of blockbuster film Telugu cinema's Devta. Devta was released in theaters in the year 1982 and 2 years later, Tohfa hit the big screen. The special thing was that in this film also Sridevi and Jaya Prada were the lead actresses and the actor was Soban Babu. Not only this, Raghavendra Rao had also directed Devta. The songs of the film were iconic - When the film Tohfa is mentioned, the first thing that comes to mind is the title song of the film "Tohfa Tohfa Laya Laya". This wonderful song filmed on Sridevi and Jitendra was sung by Asha Bhosle and Kishore Kumar in their magical voices, while Bappi Lahiri's music added charm to this song. Not only this, even today fans like to listen to Sridevi's song "Ek Aankh Maaroon To" in the film. Let us tell you that the title song of the gift was inspired by "Jimmy Jimmy Aaja Aaja" from Mithun Chakraborty's film Disco Dancer. Sridevi's real voice was not in the gift - Since Sridevi belonged to South India, she did not know how to speak Hindi in the beginning of her career. There were many films in which Sridevi's voice was dubbed in Hindi. Even in Jitendra Ki Tohfa, Sridevi's voice was dubbed by someone else. After watching the film, you can easily guess that Sridevi's original voice was not there in it. The movie is available on this OTT platform - after reading this article and a gift on the occasion of completion of 40 years of the film, if your If you feel like watching this movie, then you can easily watch this movie on the OTT platform Amazon Prime Video. Apart from this, users who want to watch it for free can enjoy the gift through YouTube and Jio Cinema.